रविवार, 8 दिसम्बर 2024

मौसम

तापमान 27 – 16
आर्द्रता 52%
सूर्योदयः 6:06 सूर्यास्तः 16:53

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

MAHADEV BOOK
King of online world

महादेव ऐप सट्टा मामला : ईडी ने 388 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की –पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

सुविचार : हर रास्ते में कुछ न कुछ परेशानी होती है वैसे ही हर परेशानी का कोई न कोई रास्ता होता है।

समागम में निःशुल्क प्रदान किया जाएगा मां दुर्गा का दैवव्य विज्ञान जिससे 50 करोड़ लोग हो गए अपने दुखों, रोगों, कष्टों व समस्याओं से मुक्त UTI के भयंकर रोगों से हर वर्ष 10 करोड़ भाई बहन बच्चे मृत्यु के कगार पर, सभी डाक्टरों, वैज्ञानिकों ने कहा हमारे पास इसका कोई समाधान नहीं महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी ने कहा दुनिया के सबसे पहले सर्जन चिकित्सक वैज्ञानिक सुश्रुत व चरक ने कहा इसका समाधान केवल दैवव्यपाश्रय में ही है 50 करोड़ लोगों का दैवव्यपाश्रय से पूर्ण समाधान करके महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी दुनिया के सबसे महान चिकित्सक, वैज्ञानिक व सद्गुरु घोषित आदि सनातन विज्ञान की इस अद्भुत खोज से विश्व में प्रसन्नता की लहर, प्रमुख देशों के राष्ट्राध्यक्ष महाब्रह्मर्षि जी को हर कीमत पर अपने देश बुलाने को आतुर मां दुर्गा के इस अद्भुत विज्ञान से अनपढ़ विद्वान बन गए, धनहीन महाधनवान तथा शक्तिवान बन गए, समागम में आप प्रत्यक्ष देखेंगे सभी तत्क्षण हो गए अपने दुखों रोगों से मुक्त

8 दिसंबर, सायं 4 बजे, प्रभु कृपा दुख निवारण समागम, स्थानः बिधान गार्डन, कैनाल सर्कुलर रोड, उल्टाडांगा बाईपास फ्लाई ओवर के पास, कोलकाता

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री, स्पीकर, उपप्रधानमंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री शिक्षा मंत्री, कृषि मंत्री सहित अनेक वरिष्ठ मंत्रियों ने किया हार्दिक स्वागत

प्रधानमंत्री मिस्टर एंथोनी अल्बनीज

स्पीकर मिस्टर मिल्टन डिक

उपप्रधानमंत्री मि. रिचर्ड मारलैस

विदेश मंत्री मिसेज पैनी वोंग

जल मंत्री मिसेज तान्या

पर्यटन मंत्री मिस्टर डोन फैरल

कृषि मंत्री मिसेज जूली कौलींस

गृह मंत्री मिस्टर टोनी बुर्के

वित्त मंत्री मिसेज कैटी गैलगहर

स्वास्थ्य मंत्री मिस्टर मार्क बटलर

ट्रेजर डा. जिम चालमर्स

मौसम चेंज मंत्री मिस्टर क्रिस बोवेन

शिक्षा मंत्री मिस्टर जैसोन क्लेरे

परम पूज्य महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी ने जिन अद्भुत रहस्यों को बताया है उन्हें जानकर में आश्चर्य से भर गया हूं।
-वॉरेन किर्बी, वरिष्ठ सांसद, न्यू साउथ वेल्स पार्लियामेंट, ऑस्ट्रेलिया

आदि सनातन धर्म के दैवव्यपाश्रय विज्ञान का अद्भुत आलोक जानकर महामहिम राष्ट्रपति जी आश्चर्यचकित प्रसन्नता से भर गईं

राष्ट्रपति भवन में महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी के साथ विशेष भेंट में महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी ने उन्हें बताया कि विश्व में यूटीआई व अन्य रोगों से 6 करोड़ लोगों की प्रतिवर्ष मृत्यु हो रही है। उनके द्वारा निर्मित मिरेकल वाश से यह रोग जड़ से समाप्त हो जाते हैं। यह जानकर महामहिम जी अद्भुत आश्चर्य व प्रसन्नता से भर गईं।

जिन दुखों कष्टों का दुनिया में कहीं कोई उपाय नहीं, वह मां दुर्गा के दैवव्य विज्ञान से जड़ से समाप्त

UTI कई प्रकार के सूक्ष्म जीवों से फैलता है जो संक्रमण का कारण बनते हैं। इनमें मुख्यतः जीवाणु (बैक्टीरिया), कवक (फंगी) और कुछ वायरस शामिल हैं। UTI का संक्रमण मुख्यतः ई.कोलाई, केलेब्सिएला न्यूमोनिया, प्रोटियस मिराबिलिस, एंटेरोकोकस फेसियम, कैंडिडा, स्यूडोमोनास एरुजिनोसा आदि सूक्ष्म जीवों से फैलता है। एलोपैथी, आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथी सहित दुनिया की किसी भी पैथी में इसका कोई उपाय नहीं है, ऐसा महान सर्जन सुश्रुत का कथन है। आधुनिक विज्ञान व WHO के अनुसार आजकल 90 प्रतिशत महिलाओं के बीच यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) आम रोग बन चुका है। यह रोग अब जन्म से ही बच्चों में हो रहा है। इससे फंगल, बैक्टीरिया, वायरल से होने वाले सभी रोग जैसे कैंसर, स्किन के रोग, टयूबरक्लोसिस, हर्पीज, माइग्रेन, किडनी के रोग, पेट के रोग, ल्यूकोरिया, स्त्रियों में हार्मोन्स इम्बैलेंस, चेहरे में झुर्रियां आना, सिर के बाल झड़ जाना, कम उम्र में ही बुढ़ापा आना, मानसिक तनाव होना आदि भयानक लाइलाज रोग उत्पन्न हो रहे हैं। इससे बच्चों में किडनी फेल होने का खतरा भी बन जाता है। बुजुर्गों व युवाओं में यूटीआई से कैंसर, सेप्सिस, गुर्द की विफलता एवं रक्त संक्रमण का खतरा अधिक हो रहा है। डाक्टरों का स्पष्ट कहना है कि आधुनिक विज्ञान में इसका कोई इलाज नहीं है। विश्व के सबसे पहले व महान सर्जन सुश्रुत का स्पष्ट कथन है कि इसका समाधान केवल दैवव्यपाश्रय द्वारा ही किया जा सकता है।

समागम में UTI से संबंधित रोगों के लिए लगेगा निःशुल्क कैंप

समागम में UTI से संबंधित रोगों के लिए एमबीबीएस, एमडी डाक्टर एवं आयुर्वेदिक डाक्टरों की देखरेख में एक विशेष निःशुल्क कैंप का आयोजन किया जाएगा। इन कैंपों में यूटीआई के कारण हुए रोगों का निःशुल्क समाधान विशेषज्ञ डाक्टरों की देखरेख में किया जाएगा।

गुरुदेव जी की कृपाओं से अभिभूत हूं

-श्री अरुण गोविल जी, सांसद व रामायण के श्रीराम

मेरे परिवार पर तो परम पूज्य गुरुदेव जी की इतनी कृपाएं हुई हैं जिन्हें गिनाना व बताना बहुत मुश्किल है। मैंने पूज्य गुरुदेव जी की कृपा से लोक सभा का चुनाव जीता है। मेरी पूज्य गुरुदेव जी से यही प्रार्थना है कि मुझ पर इतनी कृपा जरूर कर दें कि मैं जब तक पार्लियामेंट में रहूं कंफर्टेबल रहूं, क्योंकि मेरी जीवन में पूज्य गुरुदेव जी की कृपा के बिना कुछ नहीं होता है। हर निर्देश यहीं से होता है। परम पूज्य गुरुदेव जी ने मेरे जीवन में मुझे बहुत सारी शिक्षाएं दी हैं, कोई किताब नहीं थी, छोटी-छोटी बातें थीं। आज मेरे परिवार में जो प्यार और शांति है, वह गुरुदेव जी द्वारा प्रदत्त मां दुर्गा के दैवव्यपाश्रय के कारण ही है। मेरे बच्चों पर भी इन्होंने कृपा की है। पूज्य गुरु जी कभी नहीं कहते कि मैंने कृपा की है। यहां तो जो किया, मां दुर्गा ने किया, परमात्मा ने किया। जो भी किया मां सरस्वती ने किया, मां लक्ष्मी ने किया। गुरुदेव जी ने जो भी किया है वह अद्भुत है, अनूठा है।

अमेरिका की न्यूयार्क सीनेट में महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी के विषय में निर्विरोध प्रस्ताव पारित करके हुआ अद्भुत सम्मान

महाब्रह्म मयखाना संसार का महान ग्रंथ

चारों युगों में 12 वर्ष की आयु में परमात्माओं के सबसे महान परमात्मा पर अभी तक न किसी ने कुछ लिखा है न लिख सकेगा जिसके पढ़ते ही अपार सुख शांति निरोगता यश कीर्ति व महा आनंद की प्राप्ति होती है।

कैनबरा ऑस्ट्रेलिया की पार्लियामेंट में सांसद मिसेज सैली सेतु श्री महाब्रह्म मयखाना जी के अद्भुत रहस्यों को जानकर आश्चर्यचकित रह गईं।

न्यू साउथ वेल्स पार्लियामेंट, ऑस्ट्रेलिया के सम्मान पत्र को भेंट करते वरिष्ठ सांसद मिस्टर वॉरेन किर्बी

महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी के साथ न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया की संसद के स्पीकर माननीय श्री ग्रेग पाइपर जी तथा वरिष्ठ सांसद श्री वॉरेन किर्बी जी

महाब्रह्मर्षि जी को मिला वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स एवं दैवव्य ऋषि रत्न अवार्ड

इंग्लैंड के समागम में परम पूज्य महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी को अति प्रतिष्ठित वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स अवार्ड प्रदान करते वर्ल्ड बुक ऑफ रिकार्ड्स के प्रेसीडेंट श्री एम. जिडीजा जी ने कहा कि इन्हें यह अवार्ड इनके द्वारा किए

महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी को 'दैवव्य ऋषि रत्न' अवार्ड प्रदान करते श्रीराम-कृष्ण मंदिर समिति के प्रेसीडेंट मिस्टर अजय सिंह एवं जनरल सैक्रेटरी श्री सुशील कुमार

मां दुर्गा के दैवव्यपाश्रय विज्ञान से मेरी पत्नी का 35 वर्ष पुराना UTI का रोग ठीक हुआ

मैं 15 वर्षों से पूज्य गुरु जी के चरणों की भक्ति कर रहा हूं। मैं वैज्ञानिक बुद्धि होने के नाते कभी इन बातों पर विश्वास नहीं करता था। लेकिन गुरुदेव जी के सान्निध्य में आया तो सुना और जाना कि भारतीय शास्त्रों में कितना ज्ञान है। इतना ही नहीं मेडिकल साइंस में भी प्रयोग करके दिखाया। डैंड्रफ जो कभी जाता नहीं और डाक्टर इसे रोग नहीं मानते, उस पर भी सफल प्रयोग मरीजों पर करके दिखाए, जिसका मैं स्वयं साक्षी हूं। विदेशों के डाक्टर, वैज्ञानिक इनसे वह फार्मूला लेना चाहते थे और उसके बदले में कई मिलियन डालर उन्होंने ऑफर भी किए लेकिन गुरु जी अपने देश की सेवा करना चाहते हैं। ऐसे ही मिरेकल वी वाश औषधि है जिसका प्रयोग मेरे अपने लोगों ने किया और वे ठीक हो गए। मेरी पत्नी चारु अग्रवाल को 35 वर्षों से यूटीआई की प्रॉब्लम थी। इसकी समस्या बढ़ जाने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ता था। बुखार, ठंड और भयंकर सिरदर्द से उन्हें बहुत परेशानी झेलनी पड़ती थी। इम्यूनिटी बहुत कम हो जाती थी और साइड इफैक्ट के रूप में कई रोग पनपने लगते थे। जब उन्होंने पूज्य गुरुदेव जी से दैवव्यपाश्रय का समाधान लिया तो पहले दिन से ही इसका असर दिखने लगा। धीरे-धीरे वह इससे बिल्कुल मुक्त हो गईं।

श्री पी.एन. अग्रवाल जी
पू. स्पेशल पुलिस कमिश्नर, दिल्ली पुलिस व पू. वैज्ञानिक भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र

जो भी भाई-बहन अपने दुखों, कष्टों से मुक्त हुए हैं उन्हें ठीक करने वाला मैं नहीं हूं। वे तो केवल मां दुर्गा, भगवान शिव, भगवान श्रीराम, भगवान श्री राधा कृष्ण जी के पाठ से ठीक हुए हैं। उन्हें ठीक करने में मेरा कोई योगदान नहीं है।
-महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी

यह आश्चर्य नहीं महासत्य है
दैवव्यपाश्रय विज्ञान से 20 वर्ष पुराना भयानक कुष्ठ रोग तत्क्षण 10 मिनट में ही जड़ से समाप्त

मैं पीजीआई, चंडीगढ़ से सीनियर डरमैटोलॉजिस्ट हूं। विशेषज्ञ डरमैटोलॉजिस्ट होने के बावजूद मुझे करीब 20 साल से भयानक कुष्ठ रोग व एलर्जी थी। डैंड्रफ से मेरा रोग बढ़ते-बढ़ते सेबोरीक डर्मेटाइटिस हो गया और इसने बहुत ही भयानक रूप धारण कर लिया। डाक्टर होने के बावजूद मेरे पास इसका कोई इलाज नहीं था। इसके लिए मैं दुनिया के अनेक डाक्टरों से इलाज कराकर थक चुका था। फिर मैंने गुरुजी की शरण ली। गुरुजी ने मुझे दैवव्यपाश्रय का समाधान प्रदान किया। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि मेरा ऐसा भयानक रोग जिसे दुनिया के अनेक वरिष्ठ डाक्टर ठीक नहीं कर पाए वो आदि सनानत दैवव्यपाश्रय विज्ञान व अभिमंत्रित पावन जल से केवल 10 मिनट में ही जड़ से समाप्त हो गया। मेरे लिए तो पूज्य गुरुजी परमात्मा के समान हैं जो फ्री में समाधान करते हैं।

डा. जगदीप सिंह ओबराय
एमबीबीएस, एमडी, चंडीगढ़

भारत के राष्ट्रपतियों ने कहा स्वामी जी शास्त्रोक्त सत्य विज्ञान दे रहे हैं हम इसके साक्षी हैं

पू. राष्ट्रपति डा. एपीजे अब्दुल कलाम राष्ट्रपति भवन में अनेक विद्वानों की उपस्थिति में सम्मानित करते हुए

राष्ट्रपति भवन में पू. राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी जी को महाब्रह्मर्षि जी दैवव्यपाश्रय विज्ञान के रहस्य बताते हुए

बेटे के भाग्य में न होते हुए भी वह गुरुदेव के आशीर्वाद से डाक्टर बन गया

मेरा सपना था कि मैं अपने बेटे को डाक्टर बनाऊं। कई सालों से वह इस प्रयास में असफल हो रहा था। ज्योतिषाचार्यों का भी कहना था कि इसके भाग्य में डाक्टर बनना नहीं लिखा है। मैं गुरुदेव जी के चरणों में पहुंचा। उन्होंने मां दुर्गा जी का जो पाठ दिया केवल उससे ही बेटे ने मेडिकल डाक्टर की प्रारंभिक परीक्षा में टॉप किया। पहले बेटे ने एमबीबीएस किया उसके बाद एमडी, टीएम और अभी लंदन में एमआरसीपी में सम्मिलित हुआ। गुरुदेव जी का कहना है कि यह देश का प्रमुख डाक्टर बनेगा। पूरी दुनिया में इसका नाम होगा। मैं भी आज एक यूनिवर्सिटी में वाइस चांसलर हूं। यह सब गुरुदेव जी द्वारा दिए गए मां दुर्गा के पाठ से ही संभव हुआ है।

श्री गजेन्द्र चौहान जी
महाभारत में युधिष्ठिर की भूमिका निभाने वाले एवं वाइस चांसलर, दादा लख्मीचंद यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स, रोहतक

सभी भयंकर रोगों को पैदा करने वाला UTI दैवव्यपाश्रय के प्रयोग से जड़ से समाप्त पूरे विश्व में दैवव्य अमृत की भारी मांग, लोग लाइनों में खड़े होकर प्राप्त कर रहे इससे भयंकर से भयंकर रोगों को पैदा करने वाले कीटाणु 5 मिनट में हो गए जड़ से समाप्त

अमेरिका सरकार में हैड ऑफ प्रॉडक्ट कंटेंट ऑफिसर रीथिका ने बताया कि आधुनिक विज्ञान व WHO के अनुसार आजकल 90 प्रतिशत महिलाओं के बीच यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (यूटीआई) आम रोग बन चुका है। यह रोग अब 1-2 साल की लड़कियों को भी हो रहा है। इससे फंगल, बैक्टीरिया, वायरल से होने वाले सभी रोग जैसे कैंसर, स्किन के रोग, टयूबरक्लोसिस, हर्पीज, माइग्रेन, किडनी के रोग, पेट के रोग, ल्यूकोरिया, स्त्रियों में हार्मोन्स इम्बैलेंस, चेहरे में झुर्रियां आना, सिर के बाल झड़ जाना, कम उम्र में ही बुढ़ापा आना, मानसिक तनाव होना आदि भयानक व लाइलाज रोग उत्पन्न हो रहे हैं। मैं पिछले 25 वर्षों से यूटीआई के रोग से ग्रसित थी। डाक्टरों ने स्पष्ट कह दिया है कि आधुनिक विज्ञान एलोपैथी मेडिसिन मैं इसका कोई इलाज नहीं है। चारों ओर से परेशान होने पर मैंने महाब्रह्मर्षि जी द्वारा दैवव्यपाश्रय का समाधान लिया। इसके प्रयोग से मेरे साथ-साथ हजारों बहनों का यह असाध्य रोग केवल 5 मिनट में जड़ से समाप्त हो गया। साथ ही इसके प्रयोग से सभी बहनों के अनेकों रोग भी हमेशा के लिए समाप्त हो गए। यह देखकर दुनिया के डॉक्टर आश्चर्यचकित हो गए और सोचने लगे कि जिस बीमारी का इलाज दुनिया के किसी भी डाक्टर के पास नहीं है वह दिव्यौषधि से कैसे ठीक हो गई। यह देखकर दुनिया के सभी देशों के लोग महाब्रह्मर्षि जी को अपने देश बुलाने के लिए आतुर हो गए। मानवता के लिए महाब्रह्मर्षि श्री कुमार स्वामी जी ने जो किया उसके सामने नोबेल प्राइज तो क्या दुनिया के सभी पुरस्कार छोटे हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 8 दिसम्बर, रविवार, 2024, विक्रम सम्वत् 2081, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष सप्तमी, 09:43 तक, नक्षत्र : शतभिषा, 15:51 तक, योग : हरषाना, 06:20 तक, सूर्योदय: 6:05, सूर्यास्त: 16:53 चन्द्रोदय : 11:37, चन्द्रास्त: 23:34, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : वृश्चिक, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 15:28 से 16:48

साप्ताहिक : राशिफल 08-12-24 से 14-12-24

मेष : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ :
इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय थोड़ा मिला-जुला रहेगा। संर्घष एवं चुनौतियों के साथ जातक अपने महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में सफल हो सकता है। कई महत्वपूर्ण कार्य-योजनाओं को विस्तार देने में जातक को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। जमीन-जयदाद के मामलों में जातक को सफलता मिल सकती है। सेना, पुलिस में लगे जातको का समय लगभग अनुकूल रहेगा। प्रमोशन आदि की स्थितियाँ थोड़ा चुनौतियों के साथ सफल हो सकती है।

वृष : ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो :
इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय अभी चुनौतीपूर्ण रहेगा। जातक के कार्य थोड़ा चुनौतियों के साथ पूरा हो सकते हैं। इस सप्ताह अधिक बुद्धिमान या चतुर लोगों की बातों में न आएं नहीं तो जातक को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर कभी-कभी लड़ाई-झगड़े की स्थितियाँ बन सकती है इसलिए सावधानी बनाये रखे। कार्य-व्यापार में भी थोड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य पर भी ध्यान बनाये रखे। इस सप्ताह इस राशि वालों का समय अभी चुनौतीपूर्ण बना रहेगा। छात्रों का भी मन पढ़ाई-लिखाई में कम लग सकता है।

मिथुन : का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह :
घर-परिवार में भी छोटी-छोटी बातों को लेकर एक-दूसरे के प्रति अविश्वास की भावना उत्पन्न हो सकती है इसलिए परिवारिक सामंजस्य बनाये रखने के लिए आपसी सहयोग से काम ले, नहीं तो चनौतियों का सामना जातक को करना पड़ सकता है। विरोधी एवं प्रतिस्पर्धी भी सक्रिय बने रहेंगे जो जातक को मानसिक तनाव दे सकते है। जातक यदि सूझ-बूझ से काम लेगा तो चुनौतियाँ थोड़ी कम हो सकती है। व्यवसायिक दृष्टि से सप्ताह हुत अनुकूल नही है इसलिए बाजार एवं शेयर मार्केट में पूंजी निवेश करने बचे।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो :
इस सप्ताह इस राशि के जातकों का समय मिला-जुला रहेगा। कार्य-योजनाओं का विस्तार करते समय चुनौतियों का सामना जातक को करना पड़ सकता है। जातक अपने परिश्रम से स्थितियों को अनुकूल बनाने में सफल हो सकता है। इस सप्ताह जातक को थोड़ी सावधानी बनाये रखनी होगी। खाने-पीने में भी विशेष सावधानी बनाये नही तो पेट संबंधित चुनौतियाँ जातक को तनाव दे सकती है। खिलाड़ियों के लिए भी समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा। जातक को अधिक चुनौतियों से गुजरना पड़ सकता है।

सिंह : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय लगभग अनुकूल रहेगा। जातक का महत्व बढ़ेगा। जातक अपनी सूझ-बूझ से स्थितियों को अनुकूल बनाने या पटरी पर लाने में सफल हो सकता है। जातक को थोड़ी बहुत चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है लेकिन जातक अपनी चुनौतियों को अवसर में बदलने में सफल हो सकता है। सरकारी सेवा में लगे जातकों के लिए भी समय अनुकूल है। प्रमोशन या किसी महत्वपूर्ण स्थान पर कार्य करने का अवसर जातक को मिल सकता है। देश-विदेश की यात्रा का भी योग बन सकता है।

कन्या : ढो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय थोड़ा मिला-जुला रहेगा। जातक अपनी सक्रियता से आने वाली चुनौतियों को कम करने में सफल हो सकते हैं। जातक अपनी सूझ-बूझ से विरोधी एवं प्रतिस्पर्धियों द्वारा दिये गये चुनौतियीं को कम कर सकती है। इस सप्ताह स्वास्थ्य पर भी ध्यान बनाये रखे नही जातक को तनाव का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार आदि में भी बहुत सोच-समझकर ही पूंजी लगाये तभी लाभपूर्ण स्थितियाँ बन सकती है वाहन आदि सावधानीपूर्वक चलाये नही तो चोट-चपेट लग सकती है।

तुला : रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय थोड़ा अनुकूल रहेगा। भाग्य जातक का साथ देगा। अच्छे मकान एवं वाहन का सुख जातक को मिल सकता है। देश-विदेश की यात्रा का योग बन सकता है। घरेलू सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है। ईस्ट मित्रों का सहयोग बना रहेगा। व्यवसाहिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल है। बाजार एवं शेयर मार्केट में पूंजी निवेश करने पर बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है। सूर्य का मंत्र एवं किसी देवी की पूजा करने से स्थितियाँ अधिक अनुकूल हो सकती है।

वृश्चिक : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय अनुकूल रहेगा। जातक अपनी सूझ-बूझ एवं दूर-दृष्टि से कई महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने एवं पटरी पर लाने में सफल हो सकता है। इस सप्ताह कई महत्वपूर्ण कार्यों को अनुकूल या पटरी पर लाने में जातक सफल हो सकता है। सरकारी सेवा में लगे जातकों के लिए भी समय अनुकूल है। प्रमोशन या किसी अच्छे स्थान पर कार्य करने का अवसर जातक को मिल सकता है। व्यवसाय करने वाले जातकों के लिए भी समय अनुकूल है इसलिए बाजार की स्थिति समझकर यदि जातक यदि पूंजी निवेश करने पर बड़े लाभ की स्थिति बन सकती है।

धनु : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय मिला-जुला रहेगा। कई चुनौतिपूर्ण कार्यों को अनुकूल बनाने या पटरी पर लाने में जातक को सफलता मिल सकती है। घरेलू जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। घरेलू सुख-सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। जातक अपनी कार्य-योजनाओं का विस्तार करने में सफल हो सकता है। कभी-कभी अनावश्यक मानसिक उलझन और अनावश्यक सोच के कारण जातक के स्वास्थ्य पर थोड़ा प्रभाव पड़ सकता है इसलिए सावधानी बनाये रखे।

मकर : भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय लगभग अनुकूल बना रहेगा। भाग्य जातक का साथ देगा। घूमने-फिरने एवं धर्म-कर्म करने का शुभ अवसर जातक को मिल सकता है। जिससे जातक की लोक-प्रियता बढ़ सकती है। प्रेम संबंधों में भी प्रगाढ़ता आ सकती है। घर में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है। कला,संगीत एवं साहित्य से जुड़े जातकों के लिए भी समय अनुकूल है। कई महत्वपूर्ण कार्य-योजनाओं का विस्तार करने में जातक को सफलता मिल सकती है। व्यवसाहिक दृष्टि से सप्ताह अनुकूल है।

कुम्भ : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय मिला-जुला रहेगा। कई महत्वपूर्ण कार्य-योजनायें पूरी हो सकती है लेकिन चुनौतियाँ बनी रह सकती है। जातक अपनी कार्य-योजनाओ को उचाई पर ले जाने के लिए अधिक परीश्रम कर सकता है। बड़े लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में जातक को खूब परिश्रम करना पड़ सकता है। अनेक तरह की चुनौतियाँ एवं कार्य-योजनाये जातक को कभी-कभी तनाव दे सकती है। जातक अपनी दूर-दृष्टि से विषम परिस्थितियों को अनुकूल बनाने में सफल हो सकता है।

मीन : दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची :
इस सप्ताह इस राशि वालों का समय थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा। अनावश्यक भाग-दौड़ एवं खर्च की अधिकता जातक को तानब या दबाव दे सकती है। इस सप्ताह स्वास्थ्य पर भी ध्यान बनाये रखे। कभी-कभी छोटी-छोटी बातों पर तर्क-वितर्क होने से जातक दबाव महसूस कर सकता है इसलिए इस सप्ताह जातक को सक्रिय बने रहना होगा और सूझ-बूझ से काम लेना होगा तभी स्थितियाँ अनुकूल एवं पटरी पर आ सकती है। विरोधी एवं प्रतिस्पर्धी जातक के लिए चुनौतियाँ खड़ी कर सकते है।

सबको जोड़ने की ताकत रखती है भारतीयता और सनातनः योगी आदित्यनाथ

वाराणसी : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रत्येक कार्य व्यक्ति, समाज, मत-मजहब के दायरे से ऊपर उठकर सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप भारत की वैदिक-आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हुए देश के नाम होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ शनिवार को स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर 25,000 कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ का भी आयोजन किया गया है। उन्होंने समारोह में लाखों लोगों के होने के बावजूद यहां की सुचारू व्यवस्था की प्रशंसा भी की। योगी ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं कि प्रत्येक काम देश के नाम होना चाहिए। देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है। धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं, इसलिए जो भी कार्य हो, वह व्यक्ति, समाज, मत-मजहब के दायरे से ऊपर उठकर सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप भारत की वैदिक-आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हुए देश के नाम होना चाहिए। भारतीयता और सनातन सबको जोड़ने की ताकत रखता है।' एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि 1888 में बलिया के छोटे से गांव में सद्गुरु सदाफल देव महाराज का अवतरण हुआ, उन्होंने 1924 में विहंगम योग संत समाज की स्थापना की।

बेटी और उसके सम्मान की रक्षा करना 'डबल इंजन' सरकार का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' की सरकार का संकल्प है कि हर हाल में बेटी और उसके सम्मान की रक्षा करना है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कॉलेज में आयोजित 401 जोड़ों के सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने 2014 से अब तक प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में लाए गए परिवर्तनकारी बदलावों का उल्लेख किया।

झारखंड : तीन महिला तस्कर गिरफ्तार, सात लाख रुपये का मादक पदार्थ बरामद

आदित्यपुर : झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मादक-पदार्थ की तस्करी करने वालीं तीन महिलाओं को गिरफ्तार कर उनके पास से सात लाख रुपये मूल्य की नशीली दवाएं बरामद की गई हैं। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आदित्यपुर के मुस्लिम बस्ती में शुक्रवार को छापेमारी की गई और इन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि तीनों महिलाओं की पहचान रहीमा खातून उर्फ मोतीकी, नजमुन निशा उर्फ तजमुन और साहिदा खातून उर्फ मुन्नू के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उनके पास से कुल 35.44 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई, जिसकी कीमत सात लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि रहीमा और नजमुन पहले भी मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े मामलों में वांछित थीं।

राजस्थान में नौ नए केंद्रीय विद्यालय खुलेंगे

जयपुर : केंद्र सरकार ने राजस्थान में नौ नए केंद्रीय विद्यालय खोलने को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुसार इससे राज्य में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को वित्तीय मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में देश भर में 85 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति दी गई। इसके तहत राजस्थान में भी नौ नए विद्यालय खोले जाने हैं। यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार स्वीकृत केंद्रीय विद्यालय में एएफएस फलोदी (जिला जोधपुर), बीएसएफ सतराना (जिला गंगानगर), बीएसएफ श्रीकरणपुर (जिला गंगानगर), हिंडौनसिटी (जिला करौली), मेड़तासिटी (जिला नागौर), राजसमंद, भीम (जिला राजसमंद) तथा महुआ (जिला दौसा) शामिल हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने देश में 85 नए केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस ऐतिहासिक निर्णय से राजस्थान में भी नौ नए केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना होगी, जिससे विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह अभूतपूर्व निर्णय 'शिक्षित भारत, विकसित भारत' के संकल्प को मजबूती प्रदान करेगा। साथ ही, इससे भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रसार, शैक्षिक अवसंरचना के विकास एवं युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

उत्तर प्रदेश में सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत

गोरखपुर (उप्र) : गोरखपुर में दो मोटरसाइकिल की भिड़ंत में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इन मोटरसाइकिल की टक्कर से बचने की कोशिश में एक अन्य मोटरसाइकिल सवार ट्रक में जा घुसा। पुलिस ने बताया कि मोहद्दीपुर बिजलीघर के पास शुक्रवार देर रात हुई इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मोहद्दीपुर बिजली कॉलोनी निवासी विक्रांत (35) अपनी पत्नी निकिता (30), बेटे अंगद (पांच) और बेटी लाडो (एक) और परी के साथ जटेपुर उत्तरी में एक पारिवारिक समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि जब वह नहर मार्ग की ओर मुड़े तो उनकी मोटरसाइकिल कुंद्राघाट की ओर से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से टकरा गई। उसने बताया कि दो मोटरसाइकिल की टक्कर से बचने के प्रयास में तीसरा मोटरसाइकिल सवार एक ट्रक में जा घुसा।

बीपीएससी परीक्षा विवाद : बिहार पुलिस ने खान सर की गिरफ्तारी की अफवाहों का खंडन किया

पटना : बिहार पुलिस ने खान सर के नाम से पहचाने जाने वाले शिक्षक एवं यूट्यूबर की गिरफ्तारी के बारे में सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों का खंडन किया है। पुलिस ने शनिवार को इन अफवाहों का खंडन करते हुए कहा कि खान सर राजधानी पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) कार्यालय के निकट अवैध प्रदर्शन को लेकर हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए अपनी इच्छा से पुलिस थाने आए थे। सचिवालय-एक की अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अनु कुमारी ने कहा, पुलिस ने खान सर की गिरफ्तारी के बारे में गलत सूचना फैलाने के लिए सोशल मीडिया हैंडल-'खान ग्लोबल स्टडीज' के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह बेबुनियाद आरोप हैं...खान सर को गिरफ्तार नहीं किया गया है। सोशल मीडिया हैंडल से जुड़े लोग आज सुबह से ही विभिन्न पोस्ट के माध्यम से खान सर की रिहाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने शनिवार को स्पष्ट किया कि खान सर शुक्रवार शाम को धरना स्थल पर प्रदर्शनकारियों से मिलने के बाद गर्दनी बाग थाने आए थे। एसडीपीओ ने कहा, खान सर को बार-बार थाने से जाने के लिए कहा गया। इस पर उन्होंने गर्दनीबाग थाने से अनुरोध किया कि उन्हें पुलिस वाहन में अटल पथ के पास उनके वाहन तक छोड़ दिया जाए। अनुरोध के अनुसार, उन्हें पुलिस वाहन में अटल पथ के पास छोड़ दिया गया, जहां उनकी अपनी कार खड़ी थी। उन्हें न तो हिरासत में लिया गया और न ही गिरफ्तार किया गया।

देश में 2015 से क्षयरोग कम होने की दर दोगुनी हुई : नड्डा

चंडीगढ़/नयी दिल्ली : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने क्षय रोग (टीबी) के मामलों और इसके कारण होने वाली मृत्यु की दर में कमी लाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान का शनिवार को हरियाणा के पंचकूला में उद्घाटन करते हुए कहा कि भारत में इस रोग के मामलों में कमी आने की दर 2015 से दोगुनी हो गई है और यह वैश्विक औसत से अधिक है। कुल 100 दिवसीय क्षयरोग उन्मूलन अभियान उन 33 राज्यों के 347 जिलों में चलाया जाएगा, जहां इस बीमारी का प्रकोप अधिक है। अभियान का उद्देश्य रोग की पहचान को बढ़ाना, निदान में होने वाली देरी को कम करना और उपचार के परिणामों को बेहतर बनाना है। नड्डा ने कहा, 'इस कार्यक्रम के तहत हमने रोग की पहचान, जांच, उपचार और सहायक रणनीतियों को त्वरित गति से आगे बढ़ाया है। मुझे लगता है कि यह 100 दिवसीय कार्यक्रम 'टीबी मुक्त भारत' बनाने में मील का पत्थर साबित होगा और इसका दूरगामी प्रभाव होगा।' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने क्षय रोग के खिलाफ देश के लंबे संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक समय में टीबी को 'धीमी मौत' माना जाता था। उन्होंने कहा, 'यहां तक कि टीबी से पीड़ित परिवार के सदस्यों को भी अलग रखा जाता था ताकि इस बीमारी को फैलने से रोका जा सके। वर्ष 1962 से क्षय रोग के खिलाफ कई अभियान चलाए गए हैं, लेकिन 2018 में प्रधानमंत्री ने सतत विकास लक्ष्यों की 2030 की समय सीमा से बहुत पहले टीबी को खत्म करने का दृष्टिकोण पेश किया।'' केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, 'हमने लक्ष्य हासिल करने के लिए रणनीतियों में बदलाव किया। सेवाओं का विकेंद्रीकरण किया गया है और अब 1,73,000 एएएम (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) में क्षय रोग के मामलों का पता लगाने और उनका इलाज करने की सुविधाएं होंगी।'

न्यूज अपडेट

बिहार: पेट में गोली लगने के बाद भी यात्रियों की सुरक्षा के लिए वाहन चलाता रहा चालक

आरा (बिहार) : बिहार के भोजपुर जिले में जीप चालक संतोष सिंह ने साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए पेट में गोली लगने के बाद भी कुछ किलोमीटर तक वाहन चलाकर अपने यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पुलिस ने बताया कि सिंह एक तिलक समारोह से लौट रहे थे और उनकी जीप में 14-15 लोग सवार थे, रास्ते में बाइक सवार दो बदमाशों ने झौआं गांव के पास वाहन का पीछा किया और गोलीबारी की, जिसमें एक गोली सिंह के पेट में लग गई। पुलिस ने बताया कि सिंह ने अपनी चोट और असहनीय दर्द के बावजूद वाहन नहीं रोका और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए कुछ किलोमीटर तक गाड़ी चलाते रहे। पुलिस ने बताया कि सिंह ने आखिरकार एक सुरक्षित स्थान पर वाहन रोका। यह घटना बुधवार रात्रि में झौआं गांव के पास हुई, जब सिंह शुकुलपुरा गांव से अपनी जीप में 14-15 लोगों के साथ एक 'तिलक' समारोह से लौट रहे थे। आरा के जगदीशपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) राजीव चंद्र सिंह ने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'आरा (भोजपुर जिला मुख्यालय) के एक अस्पताल में सर्जरी के बाद सिंह की गोली निकाल दी गई है। वह खतरे से बाहर हैं.. वह कुछ और दिनों तक चिकित्सकों की निगरानी में रहेंगे।'

जौनपुर की अटाला मस्जिद मामले में सुनवाई अगले सप्ताह होने की संभावना

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय जौनपुर की अटाला मस्जिद की प्रबंधन समिति की ओर से दायर याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई कर सकता है। इस याचिका में जौनपुर की अदालत के निर्णय को चुनौती दी गई है। जौनपुर की अदालत ने एक मुकदमा दायर करने का निर्देश पारित किया था, जिसमें वादी का दावा है कि अटाला मस्जिद मूल रूप से एक प्राचीन हिंदू मंदिर-अटाला देवी मंदिर था। इससे पूर्व, आठ नवंबर को न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने इस वाद में वादी स्वराज वाहिनी एसोसिएशन और संतोष कुमार मिश्रा को तीन सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने और याचिकाकर्ता (प्रबंधन समिति) को एक सप्ताह के भीतर रिज्वाइंडर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था। वादकारियों ने जौनपुर की अदालत में वाद दायर कर यह घोषणा करने की मांग की थी कि विवादित संपत्ति अटाला मंदिर है और सनातन धर्मावलंबियों को वहां पूजा करने का अधिकार है। साथ ही इन्होंने विवादित संपत्ति का कब्जा दिए जाने और गैर हिंदुओं के वहां प्रवेश पर रोक लगाने की भी मांग की थी। इसके अलावा, वादकारियों ने एक प्रतिनिधि की हैसियत से सीपीसी के आदेश 1, नियम 8 के तहत मुकदमा दायर करने की अनुमति मांगी थी। यह प्रार्थना इस वर्ष मई में स्वीकार कर ली गई जिसे अगस्त में जिला जज ने भी सही ठहराया था।

उत्तर प्रदेश सरकार ने लगाया एस्मा, सभी विभागों में छह महीने तक हड़ताल पर रोक

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम के तहत अगले छह महीने के लिए अपने विभागों, निगमों और स्थानीय प्राधिकरणों में हड़ताल और प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गयी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के प्रवक्ता मनीष शुक्ला ने कहा कि आगामी महीनों में राज्य में दिव्य एवं भव्य महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। शुक्ला ने कहा कि महाकुंभ आने वाले श्रद्धालुओं और लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) ने इस कदम को 'अलोकतांत्रिक' करार दिया है। सपा के विधान परिषद सदस्य आशुतोष सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'संविधान के प्रावधानों के अनुसार लोगों और सरकारी कर्मचारियों को अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन, ऐसा लगता है कि सरकार नहीं चाहती कि लोग ऐसा करें।'

बांग्लादेश के मुद्दे पर चुप्पी लेकिन मुस्लिम वोट के लिए संभल-संभल चिल्ला रही कांग्रेस : मायावती

लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि उसने बांग्लादेश के मुद्दे पर चुप्पी साध ली है लेकिन मुस्लिम वोट के लिए 'संभल संभल' चिल्ला रही है। मायावती ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस संभल में हुई हिंसा की आड़ में मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने की कोशिश में लगी हुई हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू बड़ी संख्या में हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिनमें ज्यादातर दलित और कमजोर तबके के लोग हैं। उन्होंने कहा, 'इस समय संसद सत्र जारी है और विपक्ष, विशेष रूप से सपा और कांग्रेस देश तथा जनहित के मुद्दे न उठाकर अपने राजनीतिक स्वार्थ में संभल हिंसा की आड़ में मुस्लिम वोट को रिझाने में लगा है।' मायावती ने कहा, 'दुख की बात यह है कि जिनकी बदौलत संसद में दलित वर्ग के सांसद पहुंचे हैं वे भी अपने-अपने दलों के आकाओं को खुश करने के लिए दलित उत्पीड़न के मुद्दों पर चुप बैठे हैं।' उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में जो हिन्दू जुल्म-ज्यादती के शिकार हो रहे हैं, उसमें अधिकांश रूप से दलित और कमजोर तबके के लोग हैं। मुख्य विपक्षी पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस इस मुद्दे पर चुप है और केवल मुस्लिम वोट के लिए 'संभल-संभल' चिल्ला रही है। इस मामले में कांग्रेस, सपा और इनके समर्थक दल एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।'

उत्तर प्रदेश के मेरठ में मुठभेड़ के बाद कुख्यात गोतस्कर गिरफ्तार

मेरठ : उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में शनिवार सुबह पुलिस ने एक कथित गो तस्कर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ लोहिया नगर थाना क्षेत्र के एक इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ उस समय हुई जब स्थानीय थाना प्रभारी विष्णु कुमार के नेतृत्व में एक टीम को नरहेड़ा गांव में संदिग्ध वाहनों की जांच के लिए तैनात किया गया था। अधिकारी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि कुछ लोग कब्रिस्तान के पास गो वध करने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए अज्ञात लोगों को रुकने के लिए कहा लेकिन आरोपियों ने पुलिस पर गोलियां चला दीं, जिसके बाद मुठभेड़ हुई।

वर्ग पहेली नं. 2940

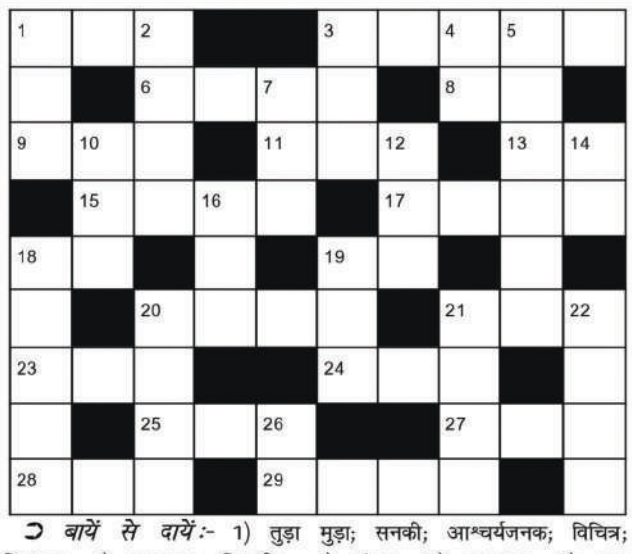

⊃ *बायें से दायें :-* 1) तुड़ा मुड़ा; सनकी; आश्चर्यजनक; विचित्र; विलक्षण, 3) घुमक्कड़; दिशाहीन, 6) चंद्रमा, 8) समाधान, 9) एक गुजराथी नृत्यप्रकार, 11) अर्हतासंपन्न, 13) उपरान्त, 15) कुख्यात, 17) शरीफ़ा, 18) ज़नाना कटिपरिधान, 19) एक सुगंधित जड़, 20) अधिकतर, 21) क्षुद्र; नीच, 23) कनकैया; गुड्डी, 24) एक सफेद मीनघाती पक्षी, 25) इंद्र, 27) कँपकँपी; दोलन, 28) रात, 29) आभार.

⊃ *ऊपर से नीचे :-* 1) असामान्य; विभाजित, 2) नष्ट, 3) मतलब, 4) मार्ग, 5) भ्रम-मूलक बात, 7) बोली बोलकर माल बेचने का ढंग, 10) गाढ़ी बासुंदी, 12) एक लोह-जन्य खनिज पदार्थ, 14) शक्ति, 16) एक धर्मसंस्था-पक, 18) कठोर उपाय काम में न लाकर नरम उपायों से काम निकालना, 19) सौ अरब, 20) स्वागत; *वैल्कम*, 21) एक मिठाई, 22) गणेश; गजानन, 26) संहार; हत्या.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

अ		स	स्ने	ह		वा	स्त	वि	क
न		द		द	म	न		लं	
व	र्ती	मा	न		क	र	त	ब	
धा			मा	स्ट	र		मा		सु
न	व	रो	ज		ध्व		श	ही	द
	र	ग		अ	ज	न	बी		र्श
त	ना		पा	व			न	वी	न
र		ट्य	व	स्था	प	क		र	
स	म	र्थ	न		शु		प्र	ता	प

सुडोकू-पहेली-2900

4								1
	3				5			
		2	1	7				
	5					6	3	
			4					
1			2					
						3	9	
8						5		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 2899 का उत्तर

4	2	7	3	9	8	6	1	5
1	8	3	6	4	5	7	2	9
6	9	5	2	7	1	3	4	8
3	5	4	8	6	7	2	9	1
8	6	2	1	3	9	4	5	7
7	1	9	5	2	4	8	3	6
5	7	6	4	1	3	9	8	2
2	4	1	9	8	6	5	7	3
9	3	8	7	5	2	1	6	4

रविवार, 8 दिसम्बर 2024

मौसम

तापमान	27 – 16
आर्द्रता	52%
सूर्योदयः 6:06	सूर्यास्तः 16:53

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

MAHADEV BOOK
King of online world

महादेव ऐप सट्टा मामला : ईडी ने 388 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की –पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष सप्तमी, वि.स. 2081, पृष्ठ 8, मूल्य 4.00 रुपये

सुविचार : हर रास्ते में कुछ न कुछ परेशानी होती है वैसे ही हर परेशानी का कोई न कोई रास्ता होता है।

दिल्लीः सुबह की सैर पर निकले कारोबारी की गोली मारकर हत्या (पृष्ठ 7)

हेड की शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने बनाया दबदबा (पृष्ठ 8)

बांग्लादेश के ढाका में इस्कॉन मंदिर में लगाई आग

मूर्तियों में तोड़फोड़ की गई

ढाका/कोलकाता : बांग्लादेश के ढाका जिले स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर में कुछ लोगों ने शुक्रवार देर रात आग लगा दी जबकि पड़ोसी देश स्थित इस्कॉन ने कहा कि यह एक भक्त का ''पारिवारिक मंदिर'' था। वहीं, संगठन के कोलकाता कार्यालय ने कहा, ''इस्कॉन नमहट्टा केंद्र'' को निशाना बनाया गया। ढाका जिले के तुराग पुलिस थाने के अंतर्गत धौर गांव स्थित इस्कॉन नमहट्टा केंद्र पर शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात हमला किया गया। तुराग पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अपराधियों की तलाश की जा रही है। बांग्लादेश में इस्कॉन के महासचिव चारु चंद्र दास ब्रह्मचारी ने बताया, ''मंदिर की टीन की छत को उखाड़ने के बाद आग लगाई गई। हालांकि आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया, लेकिन एक मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई और पर्दे जल गए।''वहीं दूसरी ओर, कोलकाता स्थित इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''अराजक तत्वों ने नमहट्टा संपत्ति में मंदिर के अंदर स्थापित मूर्तियों में आग लगा दी।''उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बांग्लादेश में इस्कॉन नमहट्टा केंद्र को जला दिया गया। श्री श्री लक्ष्मी नारायण की मूर्तियां और मंदिर के अंदर की सभी वस्तुएं पूरी तरह जल गई हैं। यह केंद्र ढाका में स्थित है। बदमाशों ने शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात 2-3 बजे श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर और श्री श्री महाभाग्य लक्ष्मी नारायण मंदिर में आग लगा दी। ये मंदिर ढाका जिले के तुराग पुलिस थाने के अंतर्गत धौर गांव स्थित हरे कृष्ण नमहट्टा संघ के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।'' दास ने एक पोस्ट में मंदिर का पता बताते हुए कहा, ''मंदिर के पीछे टीन की छत को उठाकर पेट्रोल या ऑक्टेन का इस्तेमाल करके आग लगाई गई।'' बांग्लादेश में पांच अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के बाद जब अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत आ गईं थी और इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के देश की बागडोर संभाले जाने के बाद से भारत और पड़ोसी देश के संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। बांग्लादेश में हाल के सप्ताहों में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों और इस्कॉन (बांग्लादेश) के पूर्व सदस्य तथा हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किए जाने से दोनों देशों के संबंध और भी खराब हो गए हैं। वह वर्तमान में 'बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोते' संगठन के प्रवक्ता हैं। इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष ने हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका खारिज होने और हिंसक हमलों के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जाहिर की है।

अलीपुर के गेस्टहाउस में महिला बैंक कर्मचारी का शव बरामद (पृष्ठ 5)

मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों ने विधायक के रूप में शपथ ली (पृष्ठ 7)

ममता के लिए बंगाल प्राथमिकता लेकिन इंडिया ब्लॉक में जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार : कुणाल घोष

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने की इच्छा जताई है। इस पर, तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने कहा कि मुख्यमंत्री किसी भी जिम्मेदारी को निभाने के लिए तैयार हैं। कुणाल घोष ने अपने बयान में कहा कि ममता बनर्जी के लिए बंगाल पहली प्राथमिकता है। बंगाल को वह प्यार करती है, बंगाल में ही उनका जन्म हुआ है। वह अपना पूरा जीवन बंगाल में बिताना चाहती हैं। उनका अभी दिल्ली में कोई बड़ा पद या जिम्मेदारी लेने का इरादा नहीं है। लेकिन अगर कोई उन्हें कोई जिम्मेदारी दी जाती है तो वह बंगाल में बैठ कर इंडी गठबंधन का नेतृत्व कर सकती हैं। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल में टीएमसी ही एक ऐसी पार्टी है, जो भाजपा का विरोध कर रही है। बंगाल में विगत चुनाव में सीपीआई (एम) और कांग्रेस ने मिलकर वोट बंटवारा की राजनीति की थी। वो भाजपा को ऑक्सीजन दे रहे थे। ऐसे में भाजपा को रोकने के लिए टीएमसी को बंगाल में सीपीआई (एम)और कांग्रेस की जरूरत नहीं है। भाजपा 2021 का चुनाव हारी, 2023 का पंचायत चुनाव हारी, 2024 में टीएमसी की सीट बढ़ी और भाजपा की सीट कम हो गई। उन्होंने आगे कहा कि बंगाल में जो मॉडल ममता बनर्जी ने भाजपा को

रोकने के लिए खड़ा किया है, उसे इंडिया ब्लॉक को मजबूत करना चाहिए, जिससे भाजपा को रोका जाए। बंगाल में भाजपा को हमने रोका तो झारखंड में हेमंत सोरेन ने रोका। लेकिन जहां पर कांग्रेस की बात आती है, वहां उनको इसपर विचार विमर्श करना चाहिए कि क्यों महाराष्ट्र और हरियाणा का चुनाव कांग्रेस हार रही है। टीएमसी विधायकों ने महुआ मोइत्रा पर गुटबाजी को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी से शिकायत की है। जिसको लेकर कुणाल घोष ने कहा कि ये पार्टी का अंदरूनी विषय है, अगर ऐसा कुछ है तो हमारे नेता उसे देख रहें है और सही समय पर आने पर सबको सही जानकारी मिल जाएगी। भाजपा सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें मोहम्मद युनुस ने शांति का नोबेल पीस प्राइज वापस लेने को कहा है। जिसको लेकर कुणाल घोष ने कहा कि उनको कहिए एक और चिट्ठी लिखें और उसमें लिखें की दिलीप घोष को नोबेल पीस प्राइज दिया जाए, क्योंकि उन्होंने गाय के दूध से सोना निकालने का फार्मूला बताया है। विज्ञान में उनका बड़ा योगदान है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर उन्होंने कहा कि हम लोग बार-बार बोल रहे है कि जो बांग्लादेश में हो रहा है वह बहुत दुख की बात है। ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि हम एक राज्य है, हमारा एक दायरा है, सीमा है। इसपर, केंद्र सरकार कदम उठाए, हम उसको सपोर्ट करेंगे। लेकिन अभी तक इस पर केंद्र सरकार कुछ नहीं किया है न ही संसद में कोई बात उठाई है। ये केंद्र की भाजपा सरकार की जिम्मेदारी है।

सात माह की बेटी को पत्नी की गोद से छीनकर तालाब में फेंकने वाले पिता को उम्रकैद

मुर्शिदाबाद : जिले में हुई एक दर्दनाक घटना के मामले में अदालत ने कड़ा फैसला सुनाया है। पत्नी की गोद से सात माह की बच्ची को छीनकर तालाब में फेंकने वाले पिता को अदालत ने उम्रकैद और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला लालबाग के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ऋषि कुशारी ने सुनाया। मामला 25 नवंबर 2019 का है, जब रानीतला थाना क्षेत्र के जीवनपुर दासपाड़ा गांव में यह घटना हुई थी। आरोपित, आलमामुन हक, ने अपनी सात माह की बेटी को पत्नी महिमा बीबी की गोद से छीनकर तालाब में फेंक दिया। महिमा बीबी ने बताया कि घटना के समय उन्होंने चिल्लाकर मदद

की गुहार लगाई, जिसके बाद पड़ोसियों ने बच्ची को तालाब से बाहर निकाला। लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। बच्ची को पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिमा बीबी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गर्भावस्था के दौरान ही आलमामुन ने चेतावनी दी थी कि यदि बच्ची पैदा हुई तो वह उसे मार देगा। बच्ची के जन्म के बाद से ही उसने अपनी पत्नी और बेटी के साथ दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। घटना के बाद महिमा बीबी की शिकायत पर रानीतला पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया। इस मामले में कुल 15 लोगों की गवाही हुई। गवाही और सबूतों के आधार पर अदालत ने आलमामुन को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही, 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। जुर्माना न देने पर तीन महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। यह फैसला न केवल न्याय की मिसाल है, बल्कि समाज के लिए एक संदेश भी कि मासूमों पर अत्याचार करने वालों को सख्त सजा मिलेगी।

मालदह टाउन रेलवे स्टेशन पर 2.4 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त

मालदह/कोलकाता : पूर्व रेलवे के मालदह मंडल की आरपीएफ टीम ने एक सफल अभियान चलाते हुए 2.4 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया। यह अभियान 6 दिसंबर को डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता और वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त ए.के. कुल्लू के नेतृत्व में मालदह टाउन रेलवे स्टेशन पर चलाया गया। जीआरपीएस और एसटीएफ के सहयोग से ऑपरेशन नारकोस के हिस्से के रूप में चलाए गए इस ऑपरेशन को एक गुप्त सूचना के आधार पर अंजाम दिया गया। टीम ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर पहुंचे ट्रेन नंबर 15644 डाउन कामाख्या-पुरी एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे एक यात्री को रोका और एक व्यक्ति एक महिला और उसके 5

वर्षीय बेटे को जीआरपीएस कार्यालय के पास से हिरासत में लिया गया। उनके सामानों की जांच करने के बाग अधिकारियों को एक पैकेट मिला, जिसमें 594 ग्राम नशाली पदार्थ था। अधिकारियों द्वारा हेरोइन होने का संदेह जताया जा रहा है। आरपीएफ कर्मियों की मौजूदगी में जीआरपीएस अधिकारियों ने मौके पर ही प्रतिबंधित सामग्री को जब्त कर लिया। एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

कांकसा में पति का गला काटकर थाने में महिला ने किया आत्मसमर्पण

पश्चिम बर्दवान : जिले के कांकसा थाना क्षेत्र के राजबंध इलाके में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई। घरेलू विवाद से तंग आकर एक महिला ने अपने पति की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद, उसने खुद पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। शनिवार की शाम पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार, मृतक का नाम चुना कोड़ा (50) है। घटना शुक्रवार की रात की है। इस दिन, महिला को गिरफ्तार किया गया है। वारदात के समय घर में सिर्फ पति-पत्नी मौजूद थे। आरोपित महिला अंबु कोड़ा ने पुलिस के सामने हत्या की बात स्वीकार कर ली है। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चुना कोड़ा नशे का आदी था और अक्सर पत्नी के साथ दुर्व्यवहार करता था। शुक्रवार की रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़े के बाद चुना सोने चला गया। इस दौरान, अंबु ने हंसुए से उसके गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद अंबु ने खुद को पुलिस के हवाले कर दिया। इलाके के लोगों ने अंबु को पुलिस के आने तक अपने कब्जे में रखा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे हिरासत में ले लिया। दंपति के तीन बच्चे हैं। दो बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा काम के सिलसिले में घर से दूर रहता है। घटना के बाद सभी बच्चे घर पहुंच चुके हैं। मामले की जांच जारी है। पुलिस अब यह जानने की कोशिश कर रही है कि घटना की पृष्ठभूमि में कौन-कौन से कारण थे और क्या इसमें कोई और व्यक्ति शामिल है?

इंडियन ऑयल ने जेल के कैदियों और सुधार गृहों के लिए अपनी अग्रणी पहल का किया विस्तार

कोलकाता, समाज्ञा : इंडियन ऑयल के 'परिवर्तन-प्रिजन टू प्राइड' के चरण खद और 'नयी दिशा - भविष्य को फिर से परिभाषित करना' के चरण तख की शुरूआत हो चुकी है। इस पहल का जेल के कैदियों और सुधार गृहों में बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयास के रूप में इंडियन ऑयल के चेयरमैन ए.एस साहनी ने शनिवार को शुभारंभ किया। इस चरण में, इंडियन ऑयल 28 जेलों और 14 सुधार गृहों में 1650 से अधिक व्यक्तियों के जीवन को बेहतर बनाएगा। इस मौके पर चैयरमैन ने कहा कि उन्हें बेहद गर्व है कि इंडियन ऑयल कैदियों को दूसरा मौका प्रदान कर रहा है और खेल के रूप में उद्देश्य दे रहा है। पिछले 38 महीनों में, ये कार्यक्रम 29 राज्यों

और केंद्र शासित प्रदेशों में 150 स्थानों तक पहुंच गए हैं। 7,300 से अधिक जिंदगियां प्रभावित हुई हैं और ये प्रयास इंडियनऑयल के 'राष्ट्र प्रथम' के लोकाचार के अनुरूप हैं, जो व्यापार से परे जाने और सबसे कमजोर लोगों का समर्थन करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।'' इस अवसर पर, हिस्सा लेने वाले राज्य सरकार के अधिकारियों और जेल अधिकारियों ने इस अनूठे हस्तक्षेप के लिए इंडियन ऑयल को धन्यवाद दिया, जो सुधार गृहों में कैदियों और बच्चों को बेहतर जीवन बनाने और समाज में उपयोगी योगदान देने में मदद करेगा।

व्यापारियों ने जताई चिंता, बांग्लादेश हिंसा का असर हो सकता है कपड़ा व्यवसाय पर

➨ कोट्टी का 61वां सालाना वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

कोलकाता, समाज्ञा : चैंबर ऑफ़ टेक्सटाइल ट्रेड एन्ड इंडस्ट्री (कोट्टी) का 61वां वार्षिक अधिवेशन शनिवार को चैंबर सभागार में संपन्न हुआ। सर्वप्रथम अध्यक्ष महेंद्र जैन ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष के दौरान चैंबर में काफी कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें सदस्यों ने उपस्थित होकर उन्हें सफल बनाया है।व्यापार की दृष्टि से आंकलन करें तो ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं मॉल्स से छोटे एवं मझले व्यापारियों को गंभीर चुनौती मिल रही है।इनका सामना करने के लिए हमे अपने व्यापारिक तरीकों में

परिवर्तन करने होंगे। सायबर क्राइम नित्य नए नए तरीकों से लोगों को अपने शिकंजे में लेने की कोशिश कर रहा है। सजग रहकर ही हम अपने आप को फ्रॉड से बचा सकते हैं। वर्तमान परिपेक्ष्य में पड़ोसी देश बांग्ला देश में जिस तेजी से घटनाएं घटित हो रही हैं,ये बहुत चिंता का विषय है। अगर जल्द ही स्थिति पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो इसके दूरगामी परिणाम भुगतने होंगे।विशेष कर पश्चिम बंगाल के वस्त्र व्यवसाय पर इसका बहुत असर पड़ेगा।उन्होंने सभी सदस्यों से चैंबर की गतिविधियों में सहयोग करने का आह्वान किया। संयुक्त सचिव विजय सिंह जैन (बावलिया) ने गत वार्षिक अधिवेशन की कार्यवाही का वाचन किया जिसे स्वीकृत किया गया। चेम्बर के मंत्री देवेंद्र कुमार बोथरा ने वर्ष 2023-24 का मंत्री प्रतिवेदन एवं वार्षिक गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया जिसे सदन ने सर्व सम्मति से स्वीकृत किया। चैंबर के वर्ष 2023-24 के आय-व्यय का हिसाब भी सर्व सम्मति से पारित किया गया। कोट्टी के पूर्व अध्यक्ष मुरारी लाल खेतान,विजय कुमार विनायकिया एवं अरुण भुवालका ने भी अपने विचार व्यक्त किए और चेंबर द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर कोट्टी के अध्यक्ष महेंद्र जैन,वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिरम प्रकाश सुल्तानिया, उपाध्यक्ष संजय तोदी, मंत्री देवेंद्र कुमार बोथरा, संयुक्त मंत्री बिजय सिंह जैन (बावलिया) एवं आयुष पोद्दार और कार्यकारिणी अन्य सदस्य, बिनोद कुमार नांगलिया, देवकीनंदन तोदी, विनोद केड़िया, मुकेश पारेख, धर्मेंद्र सेठ, अजय सिंघी, विनोद कुमार मिन्नी, राजेश नाहटा, प्रदीप खेतान, आशीष झुनझुनवाला,सरोज सिंघल, विकास लखोटिया भी उपस्थित थे। अंत में मंत्री देवेंद्र कुमार बोथरा ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि जिस तरह आप सभी सदस्यों का सहयोग पूर्व में मिला है, विश्वास है कि आगे भी इसी तरह सहयोग मिलता रहेगा।

अशोक हॉल स्कूल का खेल दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ हुआ संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : अशोक हॉल स्कूल का खेल दिवस कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रवींद्र सरोवर स्टेडियम में आयोजित इस खेल कार्यक्रम में कई रोमांचक गतिविधियां और प्रतियोगिताएं हुईं, जिन्होंने समावेशी और समग्र शिक्षा के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम की शुरुआत जूनियर स्कूल के छात्रों द्वारा नृत्य, अभ्यास और क्लाउन रेस, हैप्पी कैच कॉर्नर आदि जैसी दौड़ के शानदार प्रदर्शन के साथ हुई। अशोक हॉल स्कूल के पूर्व छात्रों ने भी इस विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जिसमें स्कूल और उसके पूर्व छात्रों के बीच मजबूत बंधन पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर उपस्थित

अभिभावकों के लिए कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि एक प्रसिद्ध फुटबॉलर और प्रसिद्ध कोच आलोक मुखर्जी ने अपनी उपस्थिति और प्रोत्साहन के शब्दों से छात्रों को प्रेरित किया। वहीं, प्रिंसिपल ने अपने संबोधन में व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ स्कूली जीवन में भी खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खेल अनुशासन, टीम वर्क और दृढ़ता विकसित करने में मदद करते हैं, जो आवश्यक जीवन कौशल हैं। दिन का समापन वाइस प्रिंसिपल (जूनियर सेक्शन) मैम चट्टोराज द्वारा एक संक्षिप्त भाषण देने के साथ हुआ।

पूर्व रेलवे ने नवंबर माह में 2.06 मेगावाटपी सोलर पावर स्थापित कर लगाई बड़ी छलांग

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने अपने विभिन्न डिवीजनों एवं कार्यशालाओं में छत पर सोलर प्लांट्स स्थापित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। नवंबर 2024 के दौरान कुल 2.06 मेगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की है।जो पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसके अलावा, कांचरापाड़ा वर्कशॉप में 550 किलोवाट, हावड़ा डिवीजन में 575 किलोवाट, आसनसोल डिवीजन में 75 किलोवाट, सियालदह डिवीजन में 10 किलोवाट और सियालदह डिवीजन में 850 किलोवाट स्थापित किए हैं। इसके साथ ही, पूर्व रेलवे में सौर संयंत्रों की कुल संचयी स्थापित क्षमता अब 30 नवंबर, 2024 तक 24.408 मेगावाटपी तक पहुंच गई है। सौर ऊर्जा पहल के अलावा, पूर्व रेलवे ने अपने पावर फैक्टर में सुधार के कारण पर्याप्त ऊर्जा बचत हासिल की है। अक्टूबर 2024 तक, रेलवे ने बेहतर पावर फैक्टर और गैर-कर्षण ऊर्जा उपयोग के लिए छूट के माध्यम से ऊर्जा बिल पर 43,92,967.29 की बचत की। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अक्टूबर तक संचयी बचत 2,64,99,249 है। यह पहल अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और देश की ऊर्जा स्थिरता लक्ष्यों में योगदान करने के लिए पूर्व रेलवे की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

बालेश्वर रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित फुटओवर ब्रिज का शुभारंभ

कोलकाता, समाज्ञा : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को बालेश्वर स्टेशन, ओडिशा में नवनिर्मित 3 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का उद्घाटन किया। अनुमानित तीन करोड़ की लागत से निर्मित, एफओबी को फरवरी 2024 में रेल मंत्री की यात्रा के बाद मंजूरी दी गई थी और इसका निर्माण दिसंबर, 2024 में पूरा हुआ था। इस अवसर पर बालासोर के सांसद प्रताप चंद्र सारंगी, विधायक बालासोर मानस कुमार दत्ता व रेमुना के विधायक गोबिंदा चंद्र दास भी उप-स्थित थे। दक्षिण पूर्व रेलवे ने अतिरिक्त यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हमेशा पहल की है। स्टेशन के अंदर यात्रियों के लिए आसान आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए एफओबी की योजना बनाई

गई थी। इस नए फुट ओवर ब्रिज के उद्घाटन से यात्री सुरक्षित और सुविध-ाजनक तरीके से प्लेटफॉर्म बदल सकेंगे। इस ब्रिज से प्लेटफार्म नं. 1, 2, 3, और 4 को जोड़ेगी जो कि बालेश्वर स्टेशन, हावड़ा-चेन्नई मार्ग पर एक महत्वपूर्ण जंक्शन, महत्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना का एक हिस्सा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत, बालेश्वर स्टेशन को लगभग 200 करोड़ की परियोजना लागत के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक विश्व स्तरीय सुविधा में तब्दील किया जा रहा है।

बड़ाबाजार जिला कमेटी (इंटक) श्रमिक संगठन ने सैकड़ों मजदूरों में किया कंबल वितरण

कोलकाता, समाज्ञा : बड़ाबाजार जिला कमेटी (इंटक) श्रमिक संगठन की तरफ से योगेंद्र मिश्रा (मुन्ना) के नेतृत्व में शनिवार को बड़ाबाजार के जमुनालाल बजाज स्ट्रीट में सैकड़ो गरीब मजदूरों में कंबल वितरण का आयोजन किया गया और मजदूरों के हक की आवाज उठाई गई। इस मौके पर आईएनटीयूसी पश्चिम बंगाल प्रेसिडेंट मोहम्मद कमरुज्जमान कमर, राज्य सेक्रेटरी तपन अग्रवाल, टी बोर्ड वर्कर जनरल सेक्रेटरी अमर पांडेय, यूनियन नेता बिंदेश्वरी प्रसाद सिंह, प्रेम नाथ दुबे, गुलाब शुक्ला, तारकेश राय (पिंटू), विनोद मिश्रा, नौशाद आलम, मोहम्मद शकील अंसारी, मनोज सिंह, स्वपन सरकार, सहिस्ता खान, जगरनाथ गुप्ता उप-स्थित रहे। इस कार्यक्रम में मंच का

महाप्रबंधक ने ऑरेंज लाइन के गौर किशोर घोष से आईटी सेंटर मेट्रो स्टेशनों का निरीक्षण किया

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी ने शनिवार को पहली बार ऑरेंज लाइन के गौर किशोर घोष (चिंगरीघाटा) से आईटी सेंटर (साल्ट लेक सेक्टर त) तक ट्रॉली निरीक्षण किया। श्री रेड्डी ने मेट्रो रेलवे और रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस खंड का व्यापक निरीक्षण किया। उन्होंने सुबह सबसे पहले गौर किशोर घोष मेट्रो स्टेशन और उसके बाद ट्रॉली से आईटी सेंटर मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के क्रम में उन्होंने नलबन मेट्रो स्टेशन के प्रगति कार्य का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने प्लेटफॉर्म, मेजेनाइन फ्लोर, प्रवेश और निकास द्वार पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया। इसके अलावा उन्होंने स्टेशनों की आपातकालीन सीढ़ियों और वहां मिलने वाली यात्री सुविधाओं की भी जांच की।

हावड़ा डिवीजन में कुरवा ब्लॉक स्टेशन और गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का सफल उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने रामपुरहाट-दुमका सेक्शन के कुरवा में कुरवा ब्लॉक स्टेशन और गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) के उद्घाटन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में हावड़ा के डीआरएम संजीव कुमार के साथ-साथ सीनियर डिवीजनल ऑपरेशंस इंजीनियर (सीएंडडब्ल्यू), सीनियर डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर (जी) और अन्य शाखा प्रबंधक, सीनियर डिवीजनल सिग्नल और टेलीकॉम इंजीनियर, सीनियर की उपस्थिति रही। इस दौरान बीजीआर माइनिंग और इंफ्रा लिमिटेड के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। कुर्वा में जीसीटी की स्थापना हावड़ा डिवीजन में पहली बार जीसीटी का प्रतिनिधित्व करती

है, और केवल 10 महीने के रिकॉर्ड समय में इसका पूरा होना सभी हितधारकों की दक्षता और समर्पण को रेखांकित करता है। यह असाध-ारण उपलब्धि 18 महीने की सामान्य परियोजना समयसीमा से काफी आगे निकल गई है। 28 नवंबर, 2024 तक कोयला-लोडिंग कार्य पहले से ही चल रहा था, जो जीसीटी की परिचालन तत्परता और माल ढुलाई में इसके योगदान को उजागर करता है। पीएसपीएम साइडिंग के लिए भेजी गई एक कोयला रेक को शुक्रवार को कुरवा स्थित गति शक्ति कार्गो टर्मिनल से सफलतापूर्वक रवाना किया गया। यह पहल क्षेत्र में माल ढुलाई परिचालन में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है, जिससे संभावित आय में काफी वृद्धि होने का अनुमान है।

सिएट ने मिशेलिन से कैम्सो ब्रांड के ऑफ-हाइवे टायर और ट्रैक व्यवसाय का किया अधिग्रहण

कोलकाता, समाज्ञा : आरपीजी समूह कंपनी, सिएट और टायर के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी, मिशेलिन ने घोषणा की कि उन्होंने सिएट के लिए मिशेलिन से कैम्सो ब्रांड के ऑफ-हाइवे निर्माण (कंस्ट्रक्शन) उपकरण बायस टायर और ट्रैक व्यवसाय का अधिग्रहण करने के लिए निश्चयात्मक समझौता किया है, जो लगभग 225 मिलियन डॉलर के मूल्य का नकदी सौदा है। इस हस्तांतरण में साल 2023 के लिए लगभग 213 मिलियन डॉलर की आय वाले इस व्यवसाय और दो अत्याधुनिक विनिर्माण संयंत्रों के साथ कैम्सो ब्रांड का वैश्विक स्वामित्व शामिल होगा। सिएट के लिए यह अधिग्रहण हाई मार्जिन वाले ओएचटी खंड में अग्रणी वैश्विक कंपनी बनने की महत्वाकांक्षा के लिहाज से बड़ी उपलब्धि है। सिएट पिछले एक दशक से अपने ओएचटी व्यवसाय के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें अब 900 से अधिक उत्पाद और कृषि खंड की लगभग 84% रेंज आवश्यकता को पूरा करना शामिल है।

ऑल इंडिया के-पॉप कॉन्टेस्ट 24 के तीसरे एडिशन का एक शानदार ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ समापन

कोलकाता, समाज्ञा : एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया के साथ मिलकर ऑल इंडिया के-पॉप कॉन्टेस्ट 24 के तीसरे एडिशन का समापन एक शानदार ग्रैंड फिनाले के साथ किया। इस ग्रैंड फिनाले में जहां असाधारण प्रतिभाओं ने खूबसूरत पर्फोर्मेंस पेश की, वहीं इस ईवेंट में भारत एवं कोरिया के बीच मजबूत सांस्कृतिक संबंधों की शानदार झलक देखने को मिली। इस शाम का मुख्य आकर्षण दुनियाभर में लोकप्रिय के-पॉप बैंड एलयूएन8 की यादगार पर्फोर्मेंस रही। इस शानदार फिनाले में, कोलकाता की अभिप्रिया चक्रवर्ती को सिंगिंग कैटेगरी में और डांसिंग कैटेगरी में ईटानगर के द ट्रेंड को विजेता घोषित किया गया। इन प्रतिभाशाली सितारों ने शानदार पुरस्कार के रूप में कोरिया की ऑल एक्सपेंस ट्रिप जीती। जहां वे के-पॉप इंडस्ट्री को जानेंगे और इसकी जीवंत संस्कृति को समझने का प्रयास करेंगे।

कला, शिल्प, सजावट, परिधान के संग्रह का बेहतरीन अनुभव देता है बारो मार्केट

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में बारो मार्केट के साथ श्रीला चटर्जी ने पहली बार कला, शिल्प, सजावट, परिधान और बहुत कुछ के संग्रह को पेश किया है। कई घरेलू ब्रांडों और देश भर के कारीगरों द्वारा कला और शिल्प के प्रदर्शन के साथ बारो मार्केट का खरीदारी का अनुभव हमेशा अनोखा होता है। कोलकाता के क्रिएटिविटी सेंटर में 6 दिसंबर से 8 दिसंबर तक बारो मार्केट लाइव रहेगा। यह तीन दिवसीय उत्सव रचनात्मकता, लाइव संगीत, भोजन और शिल्प कौशल का जश्न मनाने वाले एक व्यापक अनुभव का वादा करता है। ब्रांडों की विविध लाइनअप की विशेषता के साथ, आगंतुक पेशकशों की एक श्रृंखला का पता लगा सकते हैं। कोई भी व्यक्ति भोमरा के जामदानी परिधानों और महिलाओं के कपड़ों के साथ ठंडक के सार को अपना सकता है और डूकडी के जीवनशैली सहायक उपकरण, नोमी की उत्कृष्ट हथकरघा साड़ियां, और द बिंदी प्रोजेक्ट के आकर्षक और कलात्मक बिंदी डिजाइन को आकर्षण में जोड़ सकता है। कोलकाता में बारो मार्केट पॉप अप रचनात्मकता, संस्कृति और समुदाय का जश्न मनाएगा। इसका प्रवेश निःशुल्क है और सर्वोत्तम टिकाऊ, कल्पनाशील और कहानी से भरे चमत्कारों की खोज के लिए सभी का स्वागत है।

दीदी में इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की क्षमता : शरद पवार

✒ ममता को सपा, यूबीटी, एनसीपी-पवार का समर्थन

कोलकाता/महाराष्ट्र : तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी के इंडिया गठबंधन की कमान संभालने के बयान पर देश की राजनीति में बहस का दौर शुरु हो गया है। ऐसे में एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि दीदी (ममता) में नेतृत्व करने की क्षमता है। विपक्षी दलों ने भी उनके इस विचार का स्वागत किया है। शरद पवार ने कहा कि ममता बनर्जी में इंडिया अलायंस का नेतृत्व करने की क्षमता है। शरद पवार ने कोल्हापुर में कहा कि उन्होंने जो रुख अपनाया वह आक्रामक है, उन्होंने कई लोगों को खड़ा किया। उन्हें ऐसा कहने का पूरा अधिकार है। उन्होंने ये भी कहा कि ममता बनर्जी में इंडिया गठबंधन को लीड करने की क्षमता है। साथ ही, शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र चुनाव में महायुति की जीत को लेकर विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है। यह सच है कि हमारी हार हुई है। हमें इस पर निराश नहीं होना चाहिए। बल्कि लोगों के पास वापस जाना चाहिए, क्योंकि चुनाव नतीजों को लेकर लोगों में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। उनमें बहुत नाराजगी है। बता दें कि शुक्रवार को ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के कामकाज पर असंतोष व्यक्त किया और मौका मिलने पर इसकी कमान संभालने के अपने इरादे का संकेत दिया। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए विपक्षी मोर्चे के नेतृत्व के साथ दो-

हरी जिम्मेदारी संभालने में सक्षम होंगी। यह पूछे जाने पर कि एक मजबूत बीजेपी विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख को देखते हुए वह गठबंधन का प्रभार क्यों नहीं ले रही हैं, इस पर ममता बनर्जी ने कहा कि अगर अवसर दिया गया तो मैं इसका सुचारू संचालन सुनिश्चित करूंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि उनके राजनीतिक एजेंडे में पश्चिम बंगाल प्राथमिकता पर है। उन्होंने कहा कि अगर वे (गठबंधन नेता) इसे चला नहीं सकते, तो मैं क्या करूं? मैं इसका नेतृत्व नहीं करती हूं। वहां नेतृत्व कर रहे लोगों को सोचना चाहिए। फिर भी मैं क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों से संपर्क बनाए हुए हूं। अपने संभावित नेतृत्व के बारे में उन्होंने कहा कि कुछ लोग मुझे बर्दाश्त नहीं कर सकते। अगर मुझे जिम्मेदारी दी जाती है, हालांकि मैं इसे नहीं चाहती, तो मैं इसे पश्चिम बंगाल से चला सकती हूं। लेकिन मैं बंगाल से दूर नहीं रहना चाहती। मैं यहीं पैदा हुई हूं और यहीं मरूंगी।

❑ अगर ममता बनर्जी लीड करती हैं, तो खुशी होगी : सुप्रिया सुले

सांसद सुप्रिया सुले ने भी ममता बनर्जी के बयान का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी पूरी तरह से इंडिया गठबंधन का अभिन्न अंग हैं। वह भारत की सबसे बड़ी नेताओं में से एक हैं और एक जीवंत लोकतंत्र में विपक्ष की बड़ी भूमिका और जिम्मेदारी होती है इसलिए अगर वे अधिक जिम्मेदारी लेना चाहें तो हम उनके साथ हैं।

❑ हम भी चाहते हैं कि ममता बनर्जी इंडिया गठबंधन की प्रमुख भागीदार बनें : संजय राउत

ममता बनर्जी के बयान पर शिव-सेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि हम ममता जी की इस राय को जानते हैं। हम भी चाहते हैं कि वह इंडिया गठबंधन की प्रमुख भागीदार बनें। चाहे वह ममता बनर्जी हों, अरविंद केजरीवाल हों या शिव-सेना, हम सब एक साथ हैं। हम जल्द ही कोलकाता में ममता बनर्जी से बात करने जाएंगे।

जगन्नाथ मंदिर के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने दीघा जाएंगी मुख्यमंत्री, करेंगी प्रशासनिक बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दीघा के जगन्नाथ मंदिर का काम देखने के लिए तीन दिवसीय दौरे पर पूर्वी मेदिनीपुर जा रही हैं। नवान्न सूत्रों के मुताबिक, वह मंगलवार 10 दिसंबर को पूर्वी मेदिनीपुर के लिए रवाना होंगे। 11 दिसंबर को दीघा में जगन्नाथ मंदिर के कार्य का निरीक्षण करने के बाद वह 12 दिसंबर को कोलकाता लौटेंगी। उल्लेखनीय है कि बंगाल सरकार ने पुरी की तर्ज पर दीघा में भी जगन्नाथ मंदिर बनाने की योजना बनाई है। काफी समय से काम चल रहा है। पिछले कुछ सालों में पहले से ही दीघा-मंदारमणि में भीड़ का स्तर काफी बढ़ गया है। अगर वहां जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन होगा तो दीघा बंगाल के पर्यटन मानचित्र पर एक बड़ा स्थान हासिल कर सकेगा। यही हाल राज्य का भी है। राज्य सरकार पुरी जाने वाले पर्यटकों/श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के लिए दीघा को सजा रही है। संयोग से, दीघा का यह जगन्नाथधाम न्यू दीघा स्टेशन के पास विशाल ऊंचे रेत के टीलों पर बनाया जा रहा है। यह पुरी के जगन्नाथ मंदिर के समान ही दिखना चाहिए। ऊंचाई भी लगभग इतनी ही है। मंदिर के आसपास के क्षेत्र के समग्र विकास पर बहुत जोर दिया जा रहा है। कुछ साल पहले इस प्रोजेक्ट के लिए कई सौ करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे।तभी हिडको की देखरेख में चह-ारदीवारी का निर्माण शुरू हुआ। फिलहाल खबर ये है कि काम लगभग समाप्ति पर है। खुलने का समय नजदीक आ रहा है। इस बीच, छब्बीस में फिर विधानसभा चुनाव है। ऐसे में इस बार ममता का दीघा दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

आरजीकर मामला : सीबीआई के तीन अधिकारियों व एक फॉरेंसिक विशेषज्ञ की ली गई गवाही

कोलकाता, समाज्ञा : आरजीकर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में महिला डॉक्टर से दरिंदगी की घटना में सियालदह कोर्ट में सीबीआई के तीन अधिकारियों व एक फॉरेंसिक विशेषज्ञ की गवाही ली गई है। मालूम हो कि महिला डॉक्टर के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसे देखते हुए केंद्र सरकार के अधीन अस्पतालों के फॉरेंसिक विशेषज्ञों को लेकर 14 सदस्यीय बोर्ड का गठन किया गया है। उसी बोर्ड के एक सदस्य के अलावा मामले की जांच से जुड़े सीबीआई के तीन अधिकारियों की गवाही ली गई है। गवाही में सीबीआई अधिकारियों ने बताया है कि केस डायरी व दस्ता-वेजों में क्या-क्या तथ्य थे। वहीं, फॉरेंसिक विशेषज्ञ ने अपनी गवाही में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से जुड़ीं बातों का उल्लेख किया है।

तृणमूल विधायक जीवन कृष्ण साहा पर आर्थिक धोखाधड़ी का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस विधायक जीवन कृष्ण साहा पर आर्थिक धोखाधड़ी का आरोप लगा है। उन्हीं के विधानसभा क्षेत्र बड़ंचा के रहने वाले मोहम्मद सलाउद्दीन नामक एक व्यक्ति ने उनके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। सलाउद्दीन का आरोप है कि विधायक ने रेत के व्यवसाय में सुविधाएं प्रदान करने के नाम पर उनसे 1.20 लाख रुपये लिए थे। उन्होंने कोई सुविधा प्रदान नहीं की। रुपये वापस मांगने पर वे उन्हें डरा-धमका रहे हैं। मालूम हो कि इससे पहले नियुक्ति घोटाले में भी जीवन कृष्ण साहा का नाम सामने आ चुका है। उस मामले में उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। दूसरी तरफ, तृणमूल विधायक ने कहा कि उन्हें बदनाम करने के लिए इस तरह की साजिश रची जा रही है। जिस व्यक्ति ने उनपर आरोप लगाया है, वे उसे नहीं जानते। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

संदेशखाली में तालाब से लापता युवती का शव बरामद, अगवा कर हत्या का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखली ब्लाक-1 इलाके में शनिवार की सुबह एक तालाब से एक युवती का शव बरामद होने से हड़कंप मच गया, जिसके हाथ और पैर बंधे हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका युवती चार दिसंबर से लापता थी। बताया जा रहा है कि वह मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए गई थी और तभी से घर वापस नहीं लौटी। परिवार ने पहले ही इस मामले में पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। वहीं, शव मिलने के बाद स्वजनों ने आरोप लगाया है कि युवती को अगवा कर दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्वजनों के आरोपों के मद्देनजर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली जा रही है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है और वे प्रशासन से जल्द से जल्द न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

रिसड़ा में अंतर्राष्ट्रीय महोत्सव की तैयारी में जुटा भोजपुरी साहित्य विकास मंच

हुगली, समाज्ञा : रिसड़ा के रविंद्र भवन में भोजपुरी साहित्य विकास मंच (कोलकाता) के ओर से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय भोजपुरी साहित्यिक सांस्कृतिक महोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। आगामी 14-15 दिसंबर 2024 को रिसड़ा में यह कार्यक्रम होने जा रहा है। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विमलेश त्रिपाठी ने बताया इस कार्यक्रम में चीन, नेपाल, मॉरिशस के साथ साथ देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि, साहित्यकार, समाजसेवी और मुंबई, दिल्ली, पटना के गायक गायिका शिरकत करेंगे। संस्था के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार पांडे ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य मकसद भोजपुरी और बांग्ला भाषा के बीच सामंजस्य स्थापित करते हुए आधुनिक पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपरा से परिचित कराना है भोजपुरी की लंबी परंपरा रही है। इसका बांग्ला के साथ इतना गहरा संबंध है कि भोजपुरी के लगभग 35 % शब्द बांग्ला में व्यवहरित होता है। अतः इस कार्यक्रम की सफलता हेतु बंगालवासी पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसरों को शो-कॉज नोटिस, कोर्ट जाने की तैयारी

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के 86 प्रोफेसरों को संस्थान प्रशासन द्वारा शो-कॉज नोटिस जारी किए जाने के बाद अब यह मामला कलकत्ता उच्च न्यायालय तक पहुंच सकता है। आईआईटी टीचर्स एसोसिएशन (आईआईटीटीए) के सूत्रों के अनुसार, प्रोफेसर इस फैसले के खिलाफ कानूनी कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं। संस्थान के कई प्रोफेसर पहले ही शो-कॉज नोटिस और पिछले दो दिनों में तीन विभागाध्यक्षों को हटाए जाने के खिलाफ धरने पर बैठ चुके हैं। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारी प्रोफेसर भूख हड़ताल शुरू करने पर भी विचार कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले में गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष से हस्तक्षेप की मांग की है। सितंबर में संघ द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लिखे गए एक पत्र के बाद यह नोटिस जारी किया गया। इस पत्र में प्रोफेसरों ने संस्थान के निदेशक वी.के. तिवारी पर पक्षपात और प्रतिशोधात्मक रवैये का आरोप लगाया था। उन्होंने मंत्री से निदेशक का कार्यकाल जनवरी 2025 में समाप्त होने के बाद नए निदेशक की नियुक्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था। शो-कॉज नोटिस जारी होने के बाद तीन विभागाध्यक्षों को उनके पदों से हटा दिया गया।

तृणमूल कांग्रेस ने ऋतब्रत बनर्जी को राज्यसभा चुनाव में बनाया प्रत्याशी

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस ने शनिवार को पार्टी नेता ऋतब्रत बनर्जी को आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया। बता दें कि आरजीकर मेडिकल कालेज दुष्कर्म-हत्याकांड और उसके बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद सितंबर में तृणमूल के राज्यसभा सांसद जवाहर सरकार ने इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि हमें आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए ऋतब्रत बनर्जी की उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। बंगाल से एकमात्र खाली राज्यसभा सीट के अलावा तीन अन्य राज्यों की सीटों पर 20 दिसंबर को उपचुनाव होंगे। ऋतब्रत 2017 तक माकपा के साथ थे और तृणमूल में शामिल होने से पहले भी वे राज्यसभा सांसद थे। ऋतब्रत बनर्जी (44) तृणमूल कांग्रेस की ट्रेड यूनियन शाखाइंडियन नेशनल तृणमूल ट्रेड यूनियन कांग्रेस के प्रमुख हैं। निर्वाचित होने के बाद, यह उच्च सदन में उनका दूसरा कार्यकाल होगा।

अशांति के मद्देनजर भारत-बांग्लादेश सीमा पर जीरो लाइन के पास बीएसएफ जवानों की तैनाती

कोलकाता, समाज्ञा : पड़ोसी देश में जारी अशांति के मद्देनजर घुसपैठ व अन्य अवैध क्रियाकलापों को रोकने और भारतीय किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएसएफ ने मुर्शिदाबाद जिले में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर जीरो लाइन के पास अपने जवानों को तैनात किया है। शुक्रवार से जवान आधिकारिक तौर पर रानीनगर थाना क्षेत्र के राजानगर सीमा के पास जीरो लाइन पर ड्यूटी करते दिखे। बीएसएफ ने यहां किसान सहयोग उत्सव नाम से एक समारोह भी आयोजित किया, जिसमें बल के डीआइजी ने इसकी जानकारी दी। बीएसएफ के इस कदम से सीमावर्ती किसान बेहद खुश हैं। उन्होंने जीरो लाइन पर जवानों की तैनाती की बीएसएफ की पहल की सराहना की है। दरअसल, सीमावर्ती क्षेत्र के किसान जीरो लाइन के पास खेती करने जाते हैं। भारत-बांग्लादेश सीमा पर कई जगह तारबंदी (बाड़) नहीं होने से अक्सर बांग्लादेश बदमाश व तस्कर रात के वक्त अवैध तरीके से भारतीय सीमा में दाखिल होकर चोरी-छिपे फसल काटकर लेकर चले जाते हैं। साथ ही किसानों को खेत में काम करने के दौरान भी कई बार परेशान करते हैं। ऐसे में जवानों की तैनाती से किसानों को काफी सुविधा होगी। बीएसएफ डीआइजी अनिल कुमार सिंह ने कहा कि सीमावर्ती किसानों की सुविधा के लिए जवानों ने जीरो लाइन पर तैनात किया गया है।इधर, बांग्लादेश में मौजूदा उथल-पुथल को देखते हुए बीएसएफ ने पूरे अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी सुरक्षा और कड़ी कर दी है। कोई अराजक तत्व या घुसपैठिए भारतीय सीमा में प्रवेश नहीं कर पाए इसपर कड़ी नजर रखी जा रही है।

पार्क स्ट्रीट में सट्टेबाजी के आरोप में तीन गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : पार्क स्ट्रीट क्षेत्र से सट्टेबाजी करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर पार्क स्ट्रीट थाना क्षेत्र में छापेमारी की गई जिसके दौरान तीन व्यक्ति को पकड़ा गया। उनकी पहचान एसके साजिद(28), मो. फेकू (55) व एसके शकील (52) को गिरफ्तार किया गया। वे तालतल्ला व नारकेलडांगा रोड के रहने वाले है। इन पर आगा मेहदी स्ट्रीट में सट्टा के वेश में अवैध जुआ चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से नकद 7140 रुपए (बोर्ड मनी), कैलकुलेटर, पैड, चार्ट आदि बरामद कर जब्त कर लिया गया। इस संबंध में पार्क स्ट्रीट पीएस में धारा 318(4)/61(2) बीएनएस आर/डब्ल्यू 3 और 4 पश्चिम बंगाल जुआ और पुरस्कार प्रतियोगिता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उलुबेड़िया में धारदार हथियार के हमले से तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के उलुबेड़िया थानांतर्गत क्षेत्र के बिरेश्वरपुर में शुक्रवार की रात एक तृणमूल कार्यकर्ता की घेरकर हत्या कर दी गयी। मृतक का नाम समीरन पंडित (55) है। मिली जानकारी के अनुसार, समीरन पंडित की पत्नी तपना ग्राम पंचायत की पूर्व सदस्य थी। उनके रिश्ते के भाई विकास पंडित की जमीन को लेकर काफी दिनों से अशांति चल रही थी। शुक्रवार की रात करीब आठ बजे समीरन घर वापस लौट रहे थे, की तभी विकास और उसके साथियों ने रॉड, लाठी और तलवार से उनकी पिटाई कर दी। समीरन घायल अवस्था में बहुंत देर पड़ा रहा। स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें इलाज के लिए उलुबेड़िया शरतचंद्र चटर्जी मेडिकल कॉलेज ले गए। जहां रात में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर में घुसकर महिला पर धारदार हथियार से हमला, आरोपी पति गिरफ्तार

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के दासनगर थानांतर्गत कोना मंडल इलाके के एक घर में घुसकर महिला पर धारदार हथियार से हमला किया गया। इस घटना में आरोपी आरोपी पंचा राय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी पंचा राय ने अपनी पत्नी को छोड़कर दूसरी शादी कर ली। शादी के बाद पहले पक्ष की पत्नी के मोबाइल फोन पर अश्लील तस्वीरें भेजकर परेशान करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद आरोपी पति ने अपनी पहली पत्नी के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं, पहली पत्नी पर धारदार हथियार से हमला भी कर दिया। इस घटना में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अलीपुर के गेस्टहाउस में महिला बैंक कर्मचारी का शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में एक महिला की रहस्यमयी मौत हो गई। रात भर लापता रहने के बाद अलीपुर के गेस्ट हाउस से महिला बैंक कर्मचारी का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि उन्होंने आत्महत्या की है लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। चेतला थाने की पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। अड़तीस वर्षीय सुमना मंडल कसबा थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वह स्टेट बैंक का कर्मचारी है। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, वह पिछले शुक्रवार से लापता हैं। रात में जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों को चिंता होने लगी। खोजें हर जगह हैं। हालांकि, वह नहीं मिला। कसबा थाने में एक गुमशुदा डायरी भी रखी गई है। 24 घंटे के अंदर सुमना के परिजनों को बुरी खबर मिली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सुमना को अलीपुर के एक गेस्ट हाउस से बेहोशी की हालत में बचाया गया था। पता चला है कि शुक्रवार को उन्होंने चेतला थाना क्षेत्र के 42सी, राजा संतोष रोड स्थित अलीपुर गेस्ट हाउस में एक कमरा किराए पर लिया था। वह कमरा नंबर 301 में था। उन्हें कभी भी घर से बाहर निकलते नहीं देखा गया। शनिवार की सुबह भी जब गेस्ट हाउस के कर्मचारियों ने उसे बाहर निकलते नहीं देखा तो चिंतित हो गए।चिल्लाना शुरू हो गया लेकिन काफी देर तक आवाज देने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा खोलकर कमरे में दाखिल होते ही गेस्ट हाउस के कर्मचारी हैरान रह गए। उन्होंने देखा कि सुमना उस कमरे में बेहोश पड़ी है। चेतला थाने की पुलिस ने उसे बचाया और स्थानीय अस्पताल ले गई। डॉक्टरों ने कहा कि वह मर गया। गेस्ट हाउस के कर्मचारियों ने किसी को भी कमरे में आते या निकलते नहीं देखा। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि सुमना ने आत्महत्या की है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उन्होंने आत्महत्या क्यों की? पुलिस सूत्रों के मुताबिक गेस्ट हाउस के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांचकर्ता घटना के बारे में जानकारी के लिए परिवार के सदस्यों से बात कर रहे हैं।

मालीपंचघड़ा थाना की पुलिस ने साइबर फ्रॉड का शिकार हुई महिला के रुपये वापस दिलवाए

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के मालीपंचघड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गई। इस मामले में जालसाजों ने गिरफ्तारी का डर दिखाकर पीड़ित से 24,20,000 रुपये लूट लिए। पुलिस ने अब तक ठगी की गई रकम में से 4 लाख रुपये बरामद किए और शनिवार को पीड़िता को लौटा दिए। मिली जानकारी के मुताबिक, महिला को एक अज्ञात नंबर से फोन आया और जालसाजों ने खुद का परिचय दूसरे राज्य की पुलिस के रूप में दिया। उन्होंने फोन पर महिला से कहा कि वे दिल्ली से कुआलालंपुर एक पार्सल भेजने की कोशिश कर रही थे, जिसमें कुछ अवैध सामान था। उस अवैध सामान को दिल्ली पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। इस मामले में महिला और उनकी बहन को गिरफ्तार किया जा सकता है। महिला ने बदमाशों के डर और लगातार दबाव के कारण विभिन्न लेनदेन में आरटीजीएस के माध्यम से कुल 24,20,000 रुपये भेज दिए। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वह साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गयी है। मालीपंचघरा थाना पुलिस ने अब तक ठगी की गई रकम में से 4 लाख रुपये बरामद कर लिए हैं। वहीं, दूसरी ओर, 15 नवंबर को मालीपंचघड़ा थाना क्षेत्र के एक निवासी को एक अज्ञात नंबर से फोन आया और उसे एक नया अमेरिकन एक्सप्रेस क्रेडिट कार्ड देने की पेशकश की गई। फोन कॉल के दौरान पीड़ित व्यक्ति ने उनके निर्देशानुसार कुछ नंबर टाइप किए। जिसके बाद, जालसाजों ने उनके दो आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड से कुल 7,10,800.80 रुपये गायब कर लिए। इस शिकायत के आधार पर हावड़ा सिटी पुलिस के मालीपांचघड़ा थाने ने जांच शुरू की और त्वरित कार्रवाई से 4 लाख 92 हजार 900 रुपये नकद बरामद करने में सफलता मिली। पुलिस बाकी रकम बरामद करने के लिए जांच में जुटी है।

बेहाला के शिव मंदिर को मिला ग्रेड वन हेरिटेज की मान्यता

✒ मंदिर प्रशासन के मुताबिक, यहां का शिवलिंग करीब 250 साल पुराना हैं

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर के हर कोने में एक इतिहास छिपा है। कोलकाता की गलियों में परंपरा से परिपूर्ण अनेक मंदिर हैं। अब एक ऐतिहासिक मंदिर को कोलकाता नगर निगम ने विरासत का खिताब दिया है। बेहाला आर्य समिति रोड पर स्थित शिव मंदिर को कोलकाता नगर निगम की विरासती इमारतों की सूची में शामिल किया गया है। इस मंदिर को नगर निगम द्वारा 'ग्रेड वन हेरिटेज' के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। मंदिर पर मान्यता के तौर पर एक नीली पट्टिका लगाई गई है। यह उपाधि मिलने के बाद स्थानीय लोगों और मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य खुश है। मंदिर प्रशासन के मुताबिक, इस मंदिर का शिवलिंग करीब 250 साल पुराना है। मोहितमोहन हलदर और क्षेत्रपद हलदर का परिवार उत्तराधिकारी के रूप में मंदिर की देखभाल कर रहा है।

अभिनेता और चांदीपुर के तृणमूल विधायक सोहम चक्रवर्ती के दादा सुशील चक्रवर्ती इस मंदिर में पूजा करते थे। उत्तराधिकारी आलोक हलदर की सिफारिश पर मंदिर की जिम्मेदारी स्थानीय क्लब बेहाला देवदारू फटक को दी गई। वर्तमान में, यह क्लब हलदर परिवार के अरूप हलदर और अरिजीत हलदर के साथ संयुक्त रूप से मंदिर की देखरेख करता है। वार्षिक उत्सव 12 दिसंबर को मनाया जाता है। इस साल आयोजन से पहले इस सम्मान से हलदर परिवार खुश हैं। वार्षिक उत्सव ही नहीं, महा-समारोह में शिवरात्रि और निलपुजा भी मनाया जाता है। श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटती है। इस मंदिर के बगल के मैदान में दुर्गा पूजा का आयोजन भी धूमधाम होता है। नीली पट्टियां आमतौर पर इमारत के महत्व और ऐतिहासिक महत्व को दर्शाती हैं। नगर निगम ने बहुत पहले ही पारंपरिक इमारतों के इतिहास और महत्व को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए यह पहल शुरू की थी। उस सूची में सबसे नया नाम बेहाला का यह शिव मंदिर है।

पश्चिम मध्य रेल
विद्युत (सामान्य) शाखा
खुली निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत सामान्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु आवेदन निर्धारित निविदा फार्म पर खुली निविदा आमंत्रित करता है। **निविदा सूचना क्रमांकः** जबल/एल/टी नं. 47/2024, दिनांक 04.12.2024. **कार्य का नाम लोकेशन सहितः 03 विविध कार्यों का विद्युतीकरण (i) प्रस्थान यार्ड और नए यार्ड की परीक्षा लाइनों में निम्न स्तर की रोशनी का प्रावधान एनकेजे, (ii) डाउन यार्ड एसटीए में सामान्य प्रकाश व्यवस्था का प्रावधान, (iii) रेल सौरभ कॉलोनी गार्डन और क्लब गार्डन जे.बी.पी. में गार्डन लाइटों का प्रावधान। निविदा का अनुमानित मूल्यः** ₹ 5,57,38,398.95. **निविदा फार्म की कीमतः** 0.00. **कार्यालय का पता जहां टेन्डर फार्म खरीदा जा सकता हैः** वरि. मंडल विद्युत अभियंता/सामान्य/जबलपुर। **बयाना राशिः** ₹ 4,28,700/-. **समापन अवधिः** 6 माह। **निविदा जमा करने की तिथि एवं समय (15.00 बजे तक):** 30.12.2024. **निविदा खुलने की तिथि एवं समय (15.30 बजे):** 30.12.2024. निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। पूर्ण निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट से डाउनलोड की जा सकती है।

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

मेट्रो रेलवे, कोलकाता
भारतीय रेल की सार्वजनिक अधिसूचना

मेट्रो रेलवे के निम्नलिखित खंड के सम्पूर्ण हुए खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि **खंड के तहत निर्धारित तारीख को या उसके बाद 750 वोल्ट, डीसी थर्ड रेल ट्रैक्शन सिस्टम ऊर्जित किया जायेगा (स्थायी चार्जिंग के लिए)।** उक्त तारीख को तथा से थर्ड रेल ट्रैक्शन लाइन को उल्लिखित अवधि के दौरान हमेशा के लिए ऊर्जित मान लिया जायेगा तथा कोई भी प्राधिकार रहित व्यक्ति उक्त थर्ड रेल के नज़दीक नहीं जायेगा या उसके समीप कार्य नहीं करेगा। • **खंड : नोआपाड़ा-विमान बंदर खंड की डाउन लाइन के वाया डक्ट और टनल खंड पर जेसोर रोड स्टेशन सहित दमदम कैंटोनमेंट स्टेशन से जय हिंद स्टेशन (विमान बंदर स्टेशन) तक। डाउन लाइनः चैनल संख्याः 3020.901 मीटर से चैनल संख्या : 6622.43 मीटर तक।** • **ऊर्जितकरण की तारीख :** 12.12.2024 को दोपहर 2.00 बजे से।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना

हमें अनुसरण करें : /metrorailwaykol /metrorailkolkata

शराब कारोबारियों पर चला पुलिस और आबकारी विभाग का डंडा, 250 लीटर अवैध शराब नष्ट

हुगली, समाज्ञा : पुरसुड़ा थाना और आबकारी विभाग की पुलिस ने संयुक्त छापेमारी अभियान चलाकर 250 लीटर शराब नष्ट किया है। हालांकि शराब बनाने और बेचने वालों में से किसी की गिरफ्तारी नही हुई। देसी शराब के उत्पादन और बिक्री से ग्रामीण महिलाएं काफी परेशान थी। पुरसुड़ा थाना क्षेत्र के श्यामपुर इलाके के फूलपुकुर गांव के स्थानीय निवासियों ने सामूहिक हस्ताक्षर वाली शिकायत वाला पत्र पुरसुड़ा थाना और आबकारी विभाग को सौंपा था। इसके बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस और आबकारी विभाग के संयुक्त तत्व-ावधान में छापेमारी अभियान चलाया गया। 250 लीटर शराब जब्त करके उसे कानूनी तरीके से नष्ट कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक अवैध शराब कारोबारी के खिलाफ यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

तृणमूल पर लगा तृणमूल पंचायत प्रधान पर हमले का आरोप

हुगली, समाज्ञा : तृणमूल के दो पक्षों के बीच पनप रहा अंदुरुनी विवाद अब खुलकर सामने आने लगा है। आरामबाग में पंचायत प्रधान पर हमले का आरोप उन्होंने अपने ही पार्टी के कार्यकर्ताओं पर लगाया है। तृणमूल महिला प्रमुख पर मारपीट का आरोप की शिकायत आरामबाग पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है । ग्राम पंचायत की महिला प्रधान की पिटाई के अलावा उन्होंने अपने ही पक्ष के लोगों पर उत्पीड़न का गंभीर आरोप लगाया है। घटना शुक्रवार की दोपहर आरामबाग के हरिनखोला ग्राम पंचायत के अमग्राम इलाके में हुई। पीड़ित महिला प्रधान का नाम जुलेखा बेगम है। वह आरामबाग के 2 नंबर 2 ग्राम पंचायत के हरिनखोला की मुखिया हैं। बताया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने के तुरंत बाद आरोपी इलाके से भाग गए। पीड़ित महिला ने मुख्य दोषियों को सजा देने की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर बाद वह क्षेत्र के विकास पर चर्चा करने और लोगों की बातें सुनने के लिए गई थी। लोगों से बात करने के दौरान कुछ लोग उन्हें गालियां देने लगे। विरोध करने पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया गया। यह भी आरोप है कि उसे मारपीट की गई जिससे वह घायल हो गई। प्रधान ने दावा किया कि आरोपी तृणमूल समर्थक हैं। ऐसे में गुटबाजी की भी बात सामने आ रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इस मामले में अब तक प्रधान को छोड़कर किसी भी तृणमूल नेता ने प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि भाजपा विधायक मधुसूदन बाग ने कहा, 'यह असल में कटमनी की लड़ाई है। विकास का मतलब है भ्रष्टाचार, जिन्हें पैसे का हिस्सा मिल रहा है वे कह रहे हैं कि हम विकास कर रहे हैं और जिन लोगों को पैसे का हिस्सा नहीं मिल रहा है, वे रुकावट डाल रहे हैं। यह सिलसिला जारी रहेगा।'

www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
• MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
• PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
• RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

बेनेश्वर मेला, राजस्थान

हमारी अंजानी धरोहर-54

डॉ. एस. के. सैनी

राजस्थान के डूंगरपुर जिले में सोम माही और जख नदियों के संगम पर माघ माह की शुक्ल पूर्णिमा को आदिवासियों का एक विशाल मेला लगता है। इस जगह का नाम है बेणेश्वर धाम। यहां एक मंदिर है जो भगवान शिव को समर्पित है। डूंगरपुर बांसवाड़ा उदयपुर और पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के सारे आदिवासी इस पूर्णिया अवसर पर यहां जोड़ते हैं संगम पर स्नान करते हैं भगवान शिव की पूजा अर्चना करते हैं। इन नदियों के संगम पर विराट सूखी भूमि होती है जिस पर यह लोग अपने परिवार जनों के साथ बैठते हैं खाना पीना करते हैं यही दिन भर पवित्र दिन होता है जिस दिन आदिवासियों में लड़के लड़की के देखने दिखाने और विवाह की तिथियां भी तय की जाती है।

डूंगरपुर से 68 किलोमीटर दूर है। यहां यहां वीरगरासिया डामोर कचौड़ी सभी जनजातियों के लोग आते हैं किंतु सर्वाधिक आस्था है भीलो की। कहते हैं कि भील जनजाति के आराध्य पुरुष माव जी ने यहां पर भगवान विष्णु की आराधना की थी।उन्हीं के द्वारा यह शिव मंदिर बनाया होगा।

कहते हैं कि इसी दिन वह अपने पितरों को श्राद्ध भी अर्पण करते हैं इसी संगम पर। पहले यह मेल बहुत ही साधारण और साधे रूप में मनाया जाता था लेकिन अब डीजे की कान फोड़ू आवाज और बड़े विराट विद्युत चलित झूले और और शेर करो खाने-पीने की दुकानें तथा खिलौने की सैकड़ो दुकाने। यानी माहौल पूरा व्यापारिक हो गया है। सरकार भी इस मेले का लाभ उठाते हुए अपनी योजनाओं का प्रचार प्रसार करती है।

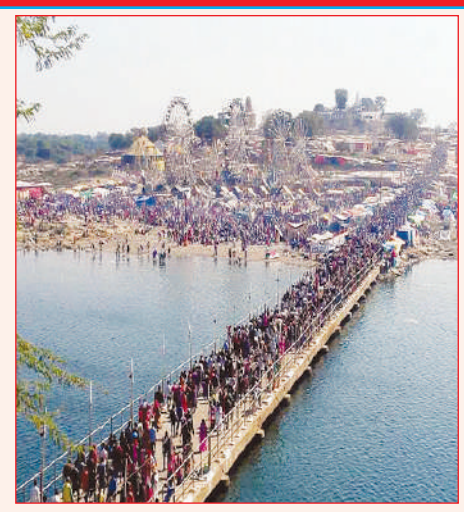

कई बार इन मेलों में अपराधी तत्व भी घुस आते हैं जेबकतरे और उठाई गिरे। वे भोले भाले आदिवासियों को बेवकूफ बना कर ठग भी लेते हैं।

यह मेला भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों ही देवताओं के मंदिरों को समर्पित है। यह मेला माघ शुक्ल पक्ष की एकादशी से शुरू होकर पूर्णिमा तक चलता है। इसी समय साबला के श्री हरि मंदिर से पालकी निकालकर के भगवान विष्णु के मंदिर में बेणेश्वर पहुंचती है।। बेणेश्वर का वागड़ी में अर्थ है डेल्टा का स्वामी। यहां पर तीन नदियों का संगम है।इसीलिए यह आदिवासियों का अति पवित्र स्थल हो गया है। पूर्णिमा के पूरे चांद के समय रात्रि में इस मेले की छठा बहुत अद्भुत दिखाई देती है। पहले जब रोशनियां नहीं थी तब पूरे चांद के प्रकाश से ही संपूर्ण मेला स्थल जगमगाता रहता था। बिजलियों की चका चोध में चंदा की चांदनी पता नहीं कहां गायब हो गई है।

खांसी होने पर हर बार कफ सिरप की क्या जरूरत?

सर्दी के मौसम में सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहना जरूरी होता है। खासतौर पर बच्चों और बुजुर्गों के लिए ये मौसम कई प्रकार की चुनौतियां पैदा करने वाला हो सकता है। ठंड के दिनों में इम्युनिटी काफी कमजोर हो जाती है, यही कारण है कि इन मौसम में सर्दी-जुकाम और बुखार जैसी दिक्कतों का खतरा काफी आम हो जाता है। क्या आप भी इन दिनों खांसी और जुकाम से परेशान हैं?

सर्दी-जुकाम होने पर हम सभी ओवर-द-काउंटर कफ सिरप पी लेते हैं, जिससे आपको कुछ ही समय में आराम मिल जाता है। हालांकि हर बार खांसी होते ही कफ सिरप की जरूरत नहीं है। आप कुछ आसान से घरेलू उपायों की मदद से भी इस समस्या में आराम पा सकते हैं। आइए जानते हैं कि खांसी होने पर क्या करना चाहिए?

सर्दी-जुकाम और खांसी की समस्या

सर्दी के मौसम में जुकाम और खांसी होना बहुत आम है। इसके लिए राइनोवायरस और इंफ्लूएंजा को प्रमुख कारण माना जाता है जो ठंड-शुष्क हवा में आसानी से फैलते हैं और आपको बीमार कर सकते हैं। इसके अलावा सर्दियों में लोग घर के अंदर अधिक समय बिताते हैं, जिससे भी वायरस के संक्रमण का खतरा अधिक रहता है। कम तापमान और धूप कम निकलना आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर सकता है, इस वजह से भी आप खांसी से परेशान रह सकते हैं।

आइए जानते हैं कि अगर आपको खांसी हो जाए तो क्या उपाय करके इसमें आराम पा सकते हैं?

स्टीम थेरेपी बहुत फायदेमंद

सर्दी-जुकाम हो या बंद नाक की दिक्कत, इन सभी से राहत पाने के लिए भाप लेना बहुत फायदेमंद हो सकता है। गर्म पानी से नहाने या भाप लेने से बलगम को ढीला करने और खांसी से राहत पाने में मदद मिल सकती है। इसके लिए स्टीम मशीनें भी आती हैं जिसकी मदद से आप आसानी से भाप ले सकते हैं। बलगम कम करने और खांसी से आराम दिलाने में ये बहुत ही कारगर तरीका है।

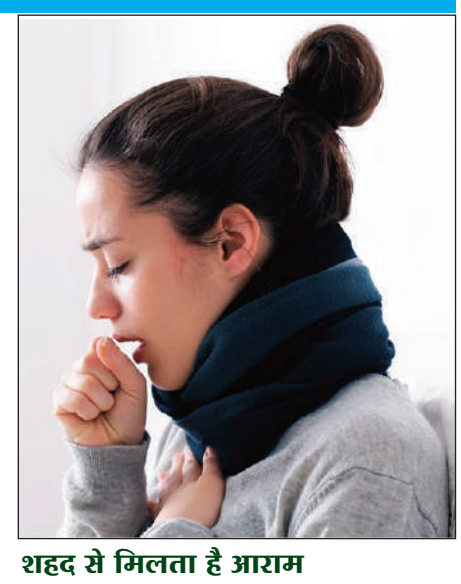

शहद से मिलता है आराम

शहद का सेवन करना सर्दी-जुकाम और गले की तमाम समस्याओं से राहत दिलाने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। शहद बलगम के उत्पादन को कम करने और कीटाणुओं को मारने में मदद करता है। गर्म पानी या चाय में शहद मिलाना या सिर्फ एक चम्मच शहद ही खांसी में मदद कर सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं, यह ओवर-द-काउंटर खांसी की दवाओं से ज़्यादा प्रभावी हो सकता है। शहद गले को आराम पहुंचाने और खांसी के रिसेप्टर्स को कोटिंग करके मदद करता है।

नमक के पानी से गरारे

गर्म पानी में नमक मिलाकर उससे गरारे करने से गले की खराश और सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए एक कप गर्म पानी में आधा चम्मच नमक घोलें और हल्के गुनगुने पानी से दिन में दो-तीन बार गरारे करें। ऐसा करने से आपको खांसी और गले में दर्द की दिक्कत से काफी आराम मिल सकता है।

चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है : माँ वैष्णो देवी

गर्मी हो या दोपहर की चिलचिलाती धूप या ठिठुरन भरे जाड़े की रात या भयंकर बारिश, फिर भी आगे बढ़ता हुजूम न तो रूकता है और न उसके प्रवाह में कोई कमी ही आती है। बस एक ही नारा लगता है- चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है, जय माता दी। बस मां की महिमा आगे बढ़ती जाती है एवं सबसे आश्चर्य की बात यह है कि यहां बिना बुलाये न तो कोई आ सकता है और न ही मां के बुलाने पर कोई भी प्राणी रूक सकता है।

मां देवी के दर्शन के लिए आने वाले भक्तों का साल के तीन सौ पैसठ दिन यहां तांता लगा ही रहता है जो न कभी दिन में रूकता है और न ही रात में। मां का दरबार 24 घंटे सभी प्राणियों के लिए खुला ही रहता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि मां के दरबार पर न कोई व्यक्ति का भेद, न कोई समाज का और न ही धन का भेद-भाव है। यहां तक कि मां लोगों से चढ़ावा तक नहीं लेती है बल्कि आने वाले भक्तों को अपना ही प्रसाद सिक्के के रूप में प्रदान करती है।

मां के प्रति आस्था रखने वाले लोगों का कहना है कि वैष्णो देवी के द्वार में वही लोग पहुंच पाते हैं जिन्हें मां स्वयं बुलाती हैं।

वैष्णो देवी मां के दरबार जाने के लिए कटरा से यात्रा पर्ची प्राप्त करना अनिवार्य है। यात्रा पर्ची के बिना आप यात्रा नहीं कर सकते। यह यात्रा पर्ची बस स्टैंड पर उपस्थित टूरिस्ट रिसेप्शन सेंटर, कटरा में मुत एवं काफी सुविधा से मिलती है। यात्रा पर्ची के बिना यात्रियों को बाण-गंगा से वापस आना पड़ सकता है। यात्रा पर्ची सुबह 6 बजे से रात्रि के दस बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। भवन पर पहुंच कर यही पर्ची दिखाकर आप पवित्र गुफा के दर्शन कर सकते हैं।

यहां विश्राम करने की भी व्यवस्था के साथ-साथ आप कम्बल, दरी, स्टोव तथा खाना बनाने के बर्तन आदि मूल्य जमा करने पर नि:शुल्क उपयोग के लिये मिल जाते हैं। इन वस्तुओं को लौटा देने पर आप का जमा किया गया रूपया पुन: वापस मिल जाता है। यह प्रबंध श्री माता वैष्णव देवी बोर्ड की ओर से किया गया है। आइये देखें इस यात्रा में विशिष्ट स्थल :-

बस स्टैण्ड, कटरा :-

बस स्टैण्ड कटरा से ही यात्रा की शुरूआत होती है। इस स्थान पर काफी संख्या में होटल एवं धर्मशालाएं हैं जहां यात्री आने के बाद विश्राम करने के बाद बस स्टैण्ड पर स्थित श्री माता वैष्णो देवी स्थान बोर्ड 1986 से यात्रा पर्ची प्राप्त कर आगे की यात्रा की शुरूआत करते हैं। यह यात्रा पर्ची नि:शुल्क दी जाती है एवं इसमें यात्रियों का विवरण एवं संख्या का उल्लेख किया जाता है।

बाण गंगा :-

कन्या रूपी शक्ति मां जब उक्त स्थान से होकर आगे बढ़ी तो उसके साथ-साथ लंगूर भी चल रहे थे। चलते-चलते वीर लंगूर को जब प्यास लगी तो देवी ने पत्थरों में बाण मारकर गंगाजी को प्रवाहित कर दिया और प्रहरी की प्यास को तृप्त किया। इसी गंगा में ही देवी मां ने अपने केश भी धोकर संवारे इसलिए इसे वाण गंगा कहा जाता है।

चरण पादुका मंदिर :-

इसी स्थान पर मां ने रूक कर पीछे की ओर देखा था कि भैरवयोगी आ रहे हैं। इसी कारण इस स्थान पर माता के चरण चिन्ह बन गये, इसलिये इस स्थान को चरण पादुका के नाम से जाना जाता है। वाण गंगा से इसकी पूरी 1.5 किलो मीटर है।

आदि कुमारी :-

इस स्थान पर दिव्य कन्या ने एक छोटी गुफा के समीप एक तपस्वी साधु को दर्शन दिये और उसी गुफा में नौ महीने तक इस प्रकार रहीं जैसे कोई शिशु अपनी माता के गर्भ में नौ माह तक रहता है। तपस्वी साधु ने भैरव को बताया था कि वह कोई साधारण कन्या नहीं अपितु महाशक्ति है और आदि कुमारी है। भैरव ने जैसे ही गुफा में प्रवेश किया, माता ने त्रिशूल का प्रहार करके गुफा के पीछे दूसरा मार्ग बनाया और निकल गयी। इस गुफा को गर्भजून एवं स्थान को आदि कुमारी (अर्द्धकुमारी) कहा जाता है। यह चरण पादुका से 4.5 किमी. दूरी पर स्थित है।

हाथी मत्था :-

आदि कुमारी से आगे क्रमश: पहाड़ी यात्रा सीधी खड़ी चढ़ाई के रूप में प्रारंभ हो जाती है। इसी कारण इसे हाथी मत्था के सामान माना जाता है परंतु सीढ़ियों वाले रास्ते की अपेक्षा घुमावदार पहाड़ी पगडण्डी से जाने से चढ़ाई कम मालूम देती है। साथ ही साथ आदिकुमारी के एक नये रास्ते हो जाने पर 1.5 किमी. दूरी कम हो जाती है। ये हाथी मत्था आदिकुमारी से लगभग 2.6 किमी. दूरी पर है।

सांझी छत :-

हाथी मत्था की चढ़ाई के बाद यात्री सांझीछत पहुंचते हैं। इस छत को दिल्ली वाली छबील भी कहा जाता है। इस स्थान पर पहुंचने के बाद माता के दरबार तक केवल सीधे एवं नीचे की ओर जाने का मार्ग है। रास्ते में मल मूत्र एवं पानी की अच्छी व्यवस्था है। हर पल रास्ते की सफाई की जाती है। भिखारियों के भीख मांगने पर पूरी तरह से प्रतिबंध है।

माता का भवन :-

माता के भवन जाने के पूर्व सबसे पहले दिखाकर क्यू (लाईन) का नम्बर लेना अति जरूरी हो जाता है। इसके बाद आप क्रम से पंक्तिबद्ध होकर मां के दर्शन हेतु जा सकते हैं। ज्ञात रहे मां के पास जाने के पूर्व आप कैमरा, चमड़े का सामान, कंघी, जूता-चप्पल, बैग आदि को भवन के क्लाक रूप में जमा करा दें। इसके बाद ही आप जा सकते हैं। मां के पास जाने के बाद आपको वहां एकाग्र मन से मां का स्मरण करना पड़ेगा। यहां किसी प्रकार का फोटो एवं मिट्टी की तस्वीर नहीं है। वहां मात्र मां की पिण्डी है जिसके दर्शन कर यात्रियों की थकान अपने आप दूर हो जाती हैं। मां के पीछे से शुद्ध एवं शीतल जल प्रवाहित होता रहता है जिसे चरण गंगा कहते हैं।

मां के भवन के पास ठहरने की भी अच्छी व्यवस्था के साथ ही साथ मुत में कम्बल भी मिलता है जिसे प्रयोग करने के बाद लौटाना अनिवार्य है। खाने-पीने की दुकानों के अलावा प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, पोस्ट ऑफिस पी.सी. बैंक एवं पुलिस सहायता भी यहां उपलब्ध है। गुफा की लम्बाई 39.61 मीटर, चौड़ाई 1082 एवं 2.21 मीटर है।

मां के दर्शन के पश्चात् आपका भैरों मंदिर जाना अनिवार्य है क्योंकि मां ने भैरों को मरने के बाद आर्शीवाद दिया था कि मेरे दर्शनों के पश्चात् भक्त तेरे भी दर्शन करेंगे, तभी उनकी मनोकानाएं पूर्ण होगी।

भैरों मंदिर का इतिहास :-

मां आगे बढ़ती रही-भैरव पीछा करता रहा। गुफा के द्वार पर मां ने वीर लंगूर को प्रहरी बनाकर खड़ा कर दिया ताकि भैरव अंदर न आ सके। मां गुफा में प्रवेश कर गई तो पीछे-पीछे भैरव भी घुसने लगा। लंगूर ने भैरव को अंदर जाने से रोका जिसके लिए भैरव के साथ लंगूर का भयंकर युद्ध हुआ। फिर मां ने शक्ति यानी चंडी का रूप धारण कर भैरव का वध कर दिया। धड़ वहीं गुफा के पास तथा सिर भैरव घाटी में जा गिरा। जिस स्थान पर भैरों का सिर गिरा था, इसी जगह भैरों मंदिर का निर्माण हुआ है।

मां के भवन से भैरों मंदिर की दूरी लगभग 4 किमी. है जो काफी ऊंचाई पर है। यहां जाने के लिए आप घोड़ा खच्चरों से भी जा सकते हैं। मां के आशीर्वाद के कारण ही लोग वापसी में भैरों मंदिर में दर्शन के लिए जाते हैं।

दूरी एवं ऊंचाई का विवरण

स्थान का नाम परस्पर दूरी समुद्र तल से ऊंचाई

कटरा-2500 फीट
दर्शनी दरवाजा 1 किमी.-2700 फीट
वाण गंगा 1.25 किमी.-2800 फीट
चरण पादुका 1.5 किमी.-3800 फीट
आदि कुमारी-4.5 किमी.-4780 फीट
हाथी मत्था 2.5 किमी. -6500 फीट
सांझी छत 2.0 किमी. -7200 फीट
भैरव मंदिर 1.5 किमी. -6573 फीट
वैष्णो भवन 2.5 किमी. -4200फीट

व्यायाम या योगाभ्यास के कितनी देर बाद नहाना चाहिए

व्यायाम या योगाभ्यास करने से शरीर को गर्माहट मिलती है। इससे शरीर में ऊर्जा का संचार होता है, जिससे तापमान बढ़ जाता है। ऐसे में योग के तुरंत बाद कुछ काम कभी नहीं करने चाहिए। योग या व्यायाम शरीर और मस्तिष्क दोनों की सेहत के लिए लाभकारी है। हालांकि गलत तरीके से किया गया अभ्यास सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इतना ही नहीं योगासन या वर्कआउट के बाद कुछ कार्य करने से भी स्वास्थ्य पर गलत असर पड़ सकता है। इसमें से एक है व्यायाम या योग के तुरंत बाद नहाना।

अक्सर लोग सुबह वर्कआउट या योग करने के तुरंत बाद पानी पी लेते हैं या नाश्ता करते हैं। विशेषज्ञ अधिक शारीरिक सक्रियता होने पर तुरंत पानी पीने या खाने से मना करते हैं। यही सलाह स्नान के लिए भी दी जाती है। योग या व्यायाम करने के तुरंत बाद कभी नहाना नहीं चाहिए। आइए जानते हैं इसका कारण और योग के कितने देर बाद स्नान करें।

योग के बाद कब नहाएं

व्यायाम या योगाभ्यास करने के कम से कम 30 मिनट बाद नहाना चाहिए। योग करने से एकदम पहले या तुरंत बाद कभी नहीं नहाना चाहिए।

कारण

योग करने से शरीर में जिस ऊर्जा का संचार होता है, नहाने से वह ऊर्जा प्रभावित होती है। विशेषज्ञ ये भी मानते हैं कि योग करने से शरीर में कभी गर्माहट तो कभी ठंडक होती है और तुरंत नहाने से शरीर का तापमान बिगड़ सकता है।

योग के बाद नहाने के नुकसान

योगाभ्यास के तुरंत बाद नहाने से वात-पित्त और कफ की समस्या हो सकती है। तापमान में परिवर्तन होने से सर्दी जुकाम की शिकायत भी हो सकती है।

योग से पहले नहाना

योग से पहले नहाने से शरीर की थकान को कम करके आंतरिक ऊर्जा और ध्यान को बढ़ाया जा सकता है। इससे ज्यादा ध्यान और ऊर्जा के साथ योग कर पाते हैं। हालांकि योगाभ्यास से तुरंत पहले न नहाएं। योग करने से 30 मिनट पहले आप नहा सकते हैं।

योग के तुरंत बाद क्या न करें

योग करने से शरीर में ऊर्जा पैदा होती है और पसीना आता है। तुरंत नहाने से पाचन तंत्र कमजोर हो सकता है।

योग के तुरंत बाद पानी पीने से पेट में अकड़न, दर्द और जी मिचलाने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। योगाभ्यास के 20 मिनट बाद धीरे-धीरे पानी पीएं।

योग करने के कम से कम एक घंटे बाद ही कुछ पौष्टिक आहार का सेवन करना चाहिए। वहीं तेल,मसालेदार और फ्राइड खाने से परहेज करना चाहिए।

जरूरत से ज्यादा मौन रिश्तों में दूरी लाता है, जानें साइलेंट ट्रीटमेंट का सही तरीका

रिश्तों में कभी-कभी ऐसी स्थिति आती है, जब शब्दों से कही गई बातें उलझनों को सुलझाने के बजाय जटिलता को बढ़ा देती हैं। ऐसे समय में साइलेंट ट्रीटमेंट, जिसे 'मौन उपचार' भी कहा जाता है, आपके रिश्तों को सुधार सकता है। यह एक ऐसा तरीका है, जिसमें एक अपनी भावनाओं के तीव्र क्षणों में प्रतिक्रिया देने से बचते हुए चुप्पी साध लेता है। लेकिन इसे सही तरीके से अपनाना और समझना बेहद जरूरी है, क्योंकि जरूरत से ज्यादा मौन रिश्तों में दूरी भी पैदा कर सकता है।

उद्देश्य को समझें

साइलेंट ट्रीटमेंट का मकसद किसी को नजरअंदाज करना या उसे चोट पहुंचाना नहीं होना चाहिए। इसका असली उद्देश्य तनावपूर्ण स्थितियों को शांत करना और बातचीत के लिए एक सही समय तथा स्थिति का निर्माण करना है। जब भावनाएं तीव्र होती हैं तो कही गई बातें कभी-कभी गलतफहमियों को जन्म दे सकती हैं। ऐसे में कुछ समय के लिए मौन होना बेहतर होता है। साइलेंट ट्रीटमेंट के दौरान दोनों पक्षों को यह समझने का समय मिल जाता है कि गलती कहां हुई, समस्या की जड़ क्या है और समाधान कैसे निकाला जाए।

लाभ तो अनेक हैं

मौन अपनाने से झगड़े की तीव्रता कम होती है और स्थिति बिगड़ने से बचती है, साथ ही दोनों पक्षों को सोचने और अपनी गलतियों को समझने का समय मिल जाता है। वहीं सही समय पर साइलेंट ट्रीटमेंट अपनाने से रिश्तों में संतुलन और परिपक्वता आती है।

क्या है सही तरीका

किसी भी चीज की अति बुरी है। इसी तरह साइलेंट ट्रीटमेंट की अति भी अच्छी नहीं है, इसलिए इसका इस्तेमाल सोच-समझकर और सीमित समय के लिए करना चाहिए। इस दौरान सुनिश्चित करें कि आप अपने मौन से दूसरे व्यक्ति को दंडित नहीं कर रही हैं, बल्कि खुद को और उसे सोचने का समय दे रही हैं। साथ ही अगर आपके साथी ने चुपी साधी है तो आप उनका सम्मान करें, उन्हें थोड़ा समय दें और जब वह बात करने की स्थिति में आ जाएं तो समस्या पर खुलकर चर्चा करें। कोशिश करें कि आप उस दौरान उनसे बहस न करें, बल्कि आपसी सहमति से समाधान निकालें।

कुछ सावधानियां भी

अगर आप या आपका साथी साइलेंट ट्रीटमेंट को नियमित रूप से अपना रहा है तो यह दूसरे पक्ष को उपेक्षित महसूस करा सकता है। लंबे समय तक मौन रखने से सामने वाला व्यक्ति असुरक्षित और अनावश्यक रूप से दोषी महसूस कर सकता है, जिसके बाद पुनः जुड़ाव में मुश्किलें आ सकती हैं। मौन और संवाद का संतुलन तब तक फायदेमंद है, जब तक यह संवाद का रास्ता खोलने का काम करे। रिश्तों में किसी भी समस्या का समाधान अंततः बातचीत के जरिये ही संभव है। साइलेंट ट्रीटमेंट को एक रणनीति के रूप में अपनाएं, लेकिन इसे आदत न बनने दें।

मौन एक शांतिपूर्ण समाधान

रिलेशनशिप काउंसलर शिवानी मिसरी साधू बताती हैं, संचार किसी भी स्वस्थ रिश्ते का आधार है, लेकिन जब एक साथी चुप हो जाता है तो यह दूसरे को उपेक्षित, आहत या महत्वहीन महसूस करा सकता है। सचेत संचार हमेशा रिश्ते में बढ़ रही गलतफहमियों को खत्म करने का काम करता है, जहां दोनों साथी किसी रुकावट के बिना शांति से अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं। मगर कभी-कभी थोड़ा विराम लेना और साइलेंट हो जाना भी ठीक रहता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि इसकी समयावधि अधिक न हो। यह दृष्टिकोण समस्या को टालने के बजाय उसे हल करने की इच्छा को दिखाता है। याद रखें, मौन एक शांतिपूर्ण समाधान है, लेकिन खुला संवाद आपके संबंधों को मजबूती देता है।

रेसिपी कार्नर

गोभी को साफ करने की आसान ट्रिक्स

चाहे फूलगोभी हो या फिर पत्तागोभी, इन दोनों से ही कई पकवान बनते हैं। जहां एक तरफ फूलगोभी का इस्तेमाल सब्जी बनाने के साथ-साथ पराठा बनाने में भी किया जाता है, वहीं पत्तागोभी का इस्तेमाल भी सब्जी बनाने के अलावा चाइनीज बनाने में और मोमोज बनाने में भी किया जाता है।

सर्दियों के मौसम में तो बाजारों में गोभी की भरमार दिखने लगती है। गोभी को बनाना जितना आसान है, उतना कठिन है इसे सही से साफ करना। गोभी में निकलने वाले कीड़े शरीर के लिए काफी हानिकारक होते हैं। ऐसे में पकाने से पहले इसको सही से साफ करना बेहद जरूरी है। यहां हम आपको पत्तागोभी और फूलगोभी अच्छी तरह से साफ करने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

फूलगोभी साफ करने का पहला तरीका

फूलगोभी साफ करने का पहला तरीका काफी आसान है। इसके लिए आपको सबसे पहले फूलगोभी के छोटे-छोटे टुकड़े करने हैं। इसके बाद इन टुकड़ों को साइड रखकर पानी में नमक 2-3 चम्मच नमक मिलाएं। अब फूलगोभी को इस पानी में 15-20 मिनट तक भिगोकर रखें। ये गोभी में छिपे कीड़ों और गंदगी को हटाने में मदद करता है।

फूलगोभी साफ करने का दूसरा तरीका

फूलगोभी साफ करने का ये तरीका भी काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले पानी को अच्छी तरह से उबलने दें। अब उसमें 1 चम्मच हल्दी डालें। अब फूलगोभी को टुकड़ों में काटकर हल्दी वाले पानी में 10 मिनट तक भिगोएं। हल्दी के एंटीसेप्टिक गुण कीटाणुओं और बैक्टीरिया को खत्म करते हैं।

फूलगोभी साफ करने का तीसरा तरीका

फूलगोभी साफ करते वक्त ध्यान रखें कि इसके कीड़े इसी के जैसे रंग के होते हैं। ऐसे में इसे काटने के बाद गर्म पानी में उबालें। 2 से 3 मिनट जब ये उबल जाए तो इसे बर्फ के पानी में कुछ देर के लिए रख दें। जब आप बर्फ के पानी में इसे डुबोएंगे तो कीड़े खुद से ही बाहर निकल जाएंगे।

पत्तागोभी साफ करने का पहला तरीका

आसान तरीके से पत्तागोभी साफ करना चाहते हैं तो सबसे पहले इसके पत्तों को अलग कर लें। अब एक बर्तन में पानी लें और उसमें 1 चम्मच नमक और 1 चम्मच सिरका मिलाएं। पत्तों को 10 मिनट के लिए इस पानी में भिगोएं। 10 मिनट के बाद इसे साफ पानी से धो दें।

पत्तागोभी साफ करने का दूसरा तरीका

दूसरे तरीके में आपको पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाना है। सोडा मिक्स करने के बाद इसी पानी में पत्तागोभी को काटकर भिगो दें। इससे गंदगी और कीटनाशक के अवशेष हट जाते हैं। 10 मिनट भिगोने के बाद इसे साफ पानी से धोएं और इसका इस्तेमाल करें।

पत्तागोभी साफ करने का तीसरा तरीका

तीसरे तरीके में आपको सबसे पहले पानी उबालना है और फिर उसमें पत्तागोभी डालना है। 2-3 मिनट तक इसे हल्का उबालना है। इसके बाद इसे ठंडे पानी में डालकर धो लें। यह तरीका भी बैक्टीरिया और कीड़ों को हटाने के लिए प्रभावी है।

न्यूज इन ब्रीफ

तेलंगाना : तेज रफ्तार कार के झील में गिर जाने से पांच लोगों की मौत

हैदराबाद : तेलंगाना के यदाद्रि-भुवनगिरी जिले में एक कार के शनिवार को झील में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस दौरान हुई जब छह युवक हैदराबाद से यदाद्रि-भुवनगिरी जिले की ओर जा रहे थे। उसने बताया कि सभी युवकों की उम्र 20 से 25 साल के बीच है। पुलिस ने बताया कि कार की रफ्तार बहुत तेज थी और एक मोड़ पर चालक द्वारा वाहन पर से नियंत्रण खो देने से वाहन झील में गिर गया। उसने बताया कि कार में मौजूद छह लोगों में से एक व्यक्ति खिड़की का शीशा तोड़कर बाहर निकलने में कामयाब रहा, लेकिन अन्य सभी डूब गए।

लिट्टे पर लगा प्रतिबंध पांच साल बढ़ाने के सरकार के फैसले को न्यायाधिकरण ने रखा बरकरार

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधिकरण ने लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर प्रतिबंध पांच और वर्ष के लिए बढ़ाने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि यह समूह अब भी भारत की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा बना हुआ है और देश की अखंडता व सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों में लिप्त है। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की सदस्यता वाले न्यायाधिकरण ने कहा कि लिट्टे का सभी तमिलों के लिए एक अलग मातृभूमि (तमिल ईलम) का उद्देश्य भारत की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा है। न्यायाधिकरण ने कहा कि ऐसा करना भारत के भू-भाग के एक हिस्से को अलग करने के समान है और इस प्रकार यह गैरकानूनी गतिविधियों के दायरे में आता है। अंतिम निष्कर्ष में न्यायाधिकरण ने कहा, उसका मानना है कि गैर कानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम (यूएपीए) के अंतर्गत लिट्टे को गैरकानूनी संगठन घोषित करने के लिए पर्याप्त और ठोस सबूत मौजूद हैं।

लातूर के 100 से अधिक किसानों को जमीन को लेकर मिला महाराष्ट्र वक्फ बोर्ड का नोटिस

लातूर : महाराष्ट्र के लातूर जिले में 100 से अधिक किसानों ने शनिवार को दावा किया कि वक्फ बोर्ड उनकी जमीन हड़पने का प्रयास कर रहा है, जिसपर वे कई पीढ़ियों से खेती करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह दावा छत्रपति संभाजीनगर स्थित महाराष्ट्र राज्य वक्फ अधिकरण में दायर किया गया है और कुल 300 एकड़ भूमि रखने वाले 103 किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं। किसानों में से एक तुकाराम कानवटे ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''ये जमीन हमें पीढ़ी दर पीढ़ी मिली हैं। ये वक्फ की संपत्ति नहीं हैं। हम चाहते हैं कि महाराष्ट्र सरकार हमें न्याय दे। इस मामले पर अदालत में दो सुनवाई हो चुकी है और अगली सुनवाई 20 दिसंबर को है।'' केंद्र सरकार ने इस साल 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया था, ताकि वक्फ बोर्ड के कामकाज को सुव्यवस्थित किया जा सके और इसकी संपत्तियों का कुशल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

मणिपुरः नौ जिलों में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध नौ दिसंबर तक बढ़ाया गया

इंफाल : मणिपुर सरकार ने राज्य के नौ अशांत जिलों में मोबाइल डेटा सेवाओं पर प्रतिबंध नौ दिसंबर तक बढ़ा दिया है। गृह विभाग द्वारा शनिवार को जारी एक आदेश में कहा गया कि यह निर्णय इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्वी, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल और जिरीबाम जिलों में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के बाद लिया गया। इसमें कहा गया कि वीएसएटी और वीपीएन सहित मोबाइल इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाएं जनहित में नौ दिसंबर शाम 5.15 बजे तक निलंबित रहेंगी। आदेश में कहा गया कि हालांकि, राज्य सरकार की अनुमति वाले मामलों में छूट दी गई है। जिरी और बराक नदियों में तीन महिलाओं तथा तीन बच्चों के शव बरामद होने के बाद राज्य में भड़की हिंसा के चलते 16 नवंबर को इन जिलों में इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं।

मुख्यमंत्री फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों ने विधायक के रूप में शपथ ली, विपक्ष ने समारोह का बहिष्कार किया

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के दो दिन बाद शनिवार को देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विधायक के रूप में शपथ ली, जबकि विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी ने ईवीएम के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए समारोह का बहिष्कार किया। विपक्षी सदस्यों ने सदन के तीन दिवसीय विशेष सत्र के पहले दिन विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ लेने से इनकार कर दिया और उन्होंने सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के भारी जनादेश और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए।

पूर्वाह्न 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद विधानसभा के प्रोटेम स्पीकर कालिदास कोलंबकर ने फडणवीस, शिंदे और पवार को विधायक के तौर पर शपथ दिलाई। उनसे पहले, चैनसुख संचेती और जयकुमार रावल (दोनों भाजपा), माणिकराव कोकाटे (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) और आशीष जायसवाल (शिवसेना) ने शपथ ली। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें प्रोटेम स्पीकर पैनल के सदस्य के रूप में नियुक्त किया। इन चारों ने शनिवार को सदन के सदस्य के रूप में सबसे पहले शपथ ली। नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्यमंत्री फडणवीस ने राज्य विधानमंडल के निचले सदन के सदस्य के रूप में छठी बार शपथ ली। वह पहली बार 1999 में विधायक चुने गए थे। जब 'प्रोटेम स्पीकर' ने फडणवीस का नाम पुकारा, तो सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेज थप-थपाकर उनका स्वागत किया। कुछ सदस्यों ने ''जय श्री राम'' और ''जय भवानी, जय शिवाजी'' के नारे लगाए।

मुर्मू ने ओडिशा में तीन नई रेलवे लाइनों की आधारशिला रखी

बांगरीपोसी (ओडिशा) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को ओडिशा में छह परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें तीन नई रेलवे लाइन शामिल हैं। इन परियोजनाओं की कुल लागत 6,400 करोड़ रुपये है। राष्ट्रपति ने तीन रेलवे लाइन बांगरीपोसी-गोरुमहिसानी, बुरामारा-चाकुलिया और बादामपहाड़-क्योंझरगढ़ की आधारशिला रखी। इस मौके पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल उरांव समेत अन्य लोग मौजूद थे। मुर्मू ने रायरंगपुर में तीन अन्य परियोजनाओं जनजातीय अनुसंधान एवं विकास केंद्र, दंडबोस हवाई अड्डा और एक उप-मंडल अस्पताल की भी ऑनलाइन तरीके से आधारशिला

रखी। इस मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि रेल परियोजनाएं और हवाई अड्डा क्षेत्र में परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि 100 बिस्तरों वाला नया अस्पताल स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार के 'पूर्वोदय' दृष्टिकोण से ओडिशा को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन और परिवहन पर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र के विकास को गति मिल रही है।

जम्मू में रहने वाले रोहिंग्या मुस्लिमों की पानी की आपूर्ति बंद नहीं की जाएगी: जल मंत्री

जम्मू : जम्मू-कश्मीर में रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ जारी अभियान के बीच केंद्र शासित प्रदेश के जल मंत्री जावेद अहमद राणा ने शनिवार को कहा कि अवैध आप्रवासियों की झुग्गियों में पानी की आपूर्ति तब तक नहीं रोकी जाएगी जब तक कि केंद्र सरकार उनको वापस भेजने के संबंध में कोई फैसला नहीं ले लेती है। राणा ने यह बयान ऐसे समय में दिया है जब जम्मू के नरवाल क्षेत्र में तीन भूखंड पर रह रहे रोहिंग्याओं ने दावा किया था कि प्रशासन ने हाल ही में उनकी बिजली और पानी की आपूर्ति रोक दी है। वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री राणा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''सरकार का कर्तव्य है कि वह सभी लोगों को पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करे। हम मानवीय आधार पर उन्हें (रोहिंग्याओं को) पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे जब तक कि भारत सरकार उनके मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं ले लेती है।'' मंत्री ने कहा कि वह रोहिंग्याओं को पानी की आपूर्ति बंद किए जाने के मुद्दे को अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा, ''किसी को भी पानी की आपूर्ति नहीं रोकी जा सकती। यह सभी की आवश्यकता है।'' मंत्री ने संबंधित विभाग द्वारा रोहिंग्याओं के कुछ भूखंड में कथित तौर पर पानी की आपूर्ति बंद किए जाने पर हैरानी जताई।

महादेव ऐप सट्टा मामला : ईडी ने 388 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को कहा कि उसने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में जारी धन शोधन की जांच के तहत करीब 388 करोड़ रुपये की नयी संपत्ति कुर्क की है। ईडी के मुताबिक, इस मामले में छत्तीसगढ़ के कई उच्च पदस्थ नेताओं और नौकरशाहों के संलिप्त होने का आरोप है। संघीय एजेंसी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इनमें चल संपत्तियां शामिल हैं। इन चल संपत्तियों में मॉरीशस स्थित कंपनी तानो इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज फंड द्वारा एफपीआई और एफडीआई के माध्यम से दुबई स्थित ''हवाला ऑपरेटर'' हरि शंकर टिबरेवाल से संबंधित निवेश और छत्तीसगढ़, मुंबई और मध्य प्रदेश में कई सट्टेबाजी ऐप और वेबसाइटों के प्रवर्तकों, पैनल ऑपरेटर और प्रवर्तकों के सहयोगियों के नाम पर संपत्तियां हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए पांच दिसंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम आदेश जारी किया गया था, जिसका कुल मूल्य 387.99 करोड़ रुपये है। इस मामले में एजेंसी टिबरेवाल की जांच कर रही है। ईडी ने इस जांच के दौरान कई ऐसे आदेश जारी किए हैं और नवीनतम आदेश के साथ, अब तक 2,295.61 करोड़ रुपये की संपत्ति या तो फ्रीज, कुर्क या जब्त की जा चुकी है। इस मामले में ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया गया है और ईडी ने चार आरोप पत्र दायर किए हैं।

असम: मुख्यमंत्री शर्मा ने मंत्रिमंडल का विस्तार किया, चार नए मंत्रियों ने शपथ ली

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चार विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने यहां श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में चार प्रशांत फूकन, कौशिक राय, कृष्णेंदु पॉल और रूपेश गोआला को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, आज (शनिवार को) शपथ लेने वाले मेरे सभी सहयोगियों को बधाई। मैं उनके साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं ताकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित असम के सपने को पूरा किया जा सके। फूकन डिब्रूगढ़ से चार बार, पॉल पाथरकांडी से दो बार जबकि राय और गोआला क्रमशः लखीपुर और डूम डूमा से पहली बार विधायक निर्वाचित हुए हैं।

छह बांग्लादेशी घुसपैठियों को पड़ोसी देश के अधिकारियों को सौंपा गया: हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि पुलिस ने दो महिलाओं समेत छह बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ कर पड़ोसी देश के अधिकारियों को सौंप दिया। शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''छह बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ कर वापस भेज दिया गया।'' असम पुलिस के कर्मियों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास छह बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था। पकड़े गए लोगों की पहचान मोहम्मद दीदारुल इस्लाम, संतू खान, इस्माइल हुसैन राहत, साकिब हुसैन, शाति अख्तर और मीम शेख के रूप में हुई। शर्मा ने कहा, उन सभी को वापस (बांग्लादेश) भेज दिया गया है। मुख्यमंत्री ने हालांकि, यह नहीं बताया कि घुसपैठियों को भारत-बांग्लादेश सीमा के किस सेक्टर से पकड़ा गया था।

जीएसटी से और वसूली की तैयारी में सरकार, इसका पुरजोर विरोध करेंगे: राहुल

नयी दिल्ली : लोकसभा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि सरकार माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के नए स्लैब लाकर और वसूली की तैयारी कर रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी इस घोर अन्याय का पुरजोर विरोध करेगी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर कर संग्रह से जुड़ा एक ग्राफिक साझा करते हुए पोस्ट किया, पूंजीपतियों को छूट और आम लोगों से लूट का एक और उदाहरण देखिए। एक तरफ़ कॉरपोरेट कर के मुक़ाबले आयकर लगातार बढ़ रहा है। दूसरी तरफ़ मोदी सरकार गब्बर सिंह टैक्स से और ज़्यादा वसूली की तैयारी कर रही है। उन्होंने दावा किया, ''सुनने में आ रहा है कि जीएसटी से लगातार बढ़ती वसूली के बीच सरकार एक नया टैक्स स्लैब पेश करने जा रही है। आपकी ज़रूरत की चीज़ों पर जीएसटी बढ़ाने की योजना है।'' उन्होंने कहा, ''ज़रा सोचिए, अभी, शादियों का सीजन चल रहा है। लोग कब से पाई-पाई जोड़कर पैसे इकट्ठा कर रहे होंगे और सरकार इसी बीच 1500 रुपये से ऊपर के कपड़ों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने जा रही है।'' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह घोर अन्याय है कि अरबपतियों को कर में छूट देने और उनके बड़े से बड़े कर्ज़ माफ़ करने के लिए ग़रीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की मेहनत की कमाई को टैक्स द्वारा लूटा जा रहा है।

उद्धव के सहयोगी के बाबरी मस्जिद संबंधी पोस्ट के बाद सपा का एमवीए से बाहर निकलने का निर्णय

मुंबई : समाजवादी पार्टी (सपा) ने शनिवार को कहा कि वह बाबरी मस्जिद ढहाये जाने की शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे के एक करीबी सहयोगी द्वारा सराहना किये जाने और एक समाचारपत्र में संबंधित विज्ञापन में उक्त कृत्य के पीछे रहे लोगों को बधाई देने के कारण महा विकास आघाडी (एमवीए) से अलग हो रही है। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा में समाजवादी पार्टी के दो विधायक हैं। सपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख अबू आजमी ने कहा, ''शिवसेना (उबाठा) द्वारा बाबरी मस्जिद ढहाये जाने के लिए लोगों को बधाई देते हुए एक अखबार में विज्ञापन दिया गया था। उनके (उद्धव ठाकरे के) सहयोगी ने भी मस्जिद को ढहाये जाने की सराहना करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट किया है।'' आजमी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हम एमवीए छोड़ रहे हैं। मैं (समाजवादी पार्टी अध्यक्ष) अखिलेश सिंह यादव से बात कर रहा हूं।'' शिवसेना (उबाठा) के विधान पार्षद मिलिंद नार्वेकर ने बाबरी मस्जिद ढहाये जाने की घटना पर एक पोस्ट किया था, जिसके जवाब में सपा ने यह कदम उठाया। नार्वेकर ने मस्जिद ढहाये जाने की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ ही शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का कथन लिखा, ''मुझे उन लोगों पर गर्व है जिन्होंने यह किया।'' शिवसेना (उबाठा) सचिव ने पोस्ट में उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और स्वयं की तस्वीरें भी पोस्ट कीं।

दिल्ली: सुबह की सैर पर निकले कारोबारी की गोली मारकर हत्या, 12 घंटे में तीसरी हत्या

नयी दिल्ली : पूर्वी दिल्ली के शाहदरा इलाके में शनिवार सुबह सैर पर निकले एक व्यापारी की दो अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्से में 12 घंटे के अंदर तीसरी वारदात है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी में शौचालय में पानी डालने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। तीसरी घटना पश्चिमी दिल्ली के ख्याला में हुई, जहां एक व्यक्ति ने संपत्ति विवाद के चलते अपनी मां की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि कृष्णा नगर निवासी

52 वर्षीय सुनील जैन को कई गोलियां मारी गईं और उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बर्तनों का व्यवसाय करने वाले जैन 'यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स' से सुबह की सैर कर एक स्कूटी पर घर लौट रहे थे कि तभी फर्श बाजार इलाके में मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं।

न्यूज अपडेट

मुंबई पुलिस को प्रधानमंत्री मोदी पर जानलेवा हमले की धमकी वाला संदेश मिला

मुंबई : मुंबई पुलिस को शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने की धमकी वाला एक संदेश मिला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जिस नंबर से यह संदेश भेजा गया था, उसका पता राजस्थान के अजमेर में लगाया गया है और संदिग्ध को पकड़ने के लिए तुरंत पुलिस की एक टीम वहां भेजी गई। उन्होंने बताया कि ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन पर तड़के प्राप्त व्हाट्सएप संदेश में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी 'आईएसआई' के एजेंट का जिक्र करते हुए मोदी को निशाना बनाकर बम विस्फोट करने की साजिश की बात कही गई। अधिकारी ने बताया कि जांच अधिकारियों को संदेह है कि संदेश भेजने वाला व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त है या उसने शराब पी रखी थी। उन्होंने बताया कि मामले में जांच जारी है। भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस की हेल्पलाइन को पहले भी कई बार फर्जी धमकी भरे संदेश मिले हैं।

एनआईए ने हथियार तस्करी गिरोह के तीन सदस्यों को मिजोरम से गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय अन्वेषण अधिकरण (एनआईए)ने सीमा पार से हथियार और गोला-बारूद तस्करी के गिरोह के कथित तीन सदस्यों को मिजोरम से गिरफ्तार किया गया। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक मिजोरम में छह स्थानों पर व्यापक तलाशी के बाद लालरिंचुंगा, वनलालदैलोवा और लालमुआनपुइया को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। एनआईए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि तीनों कुछ अन्य गिरफ्तार आरोपियों और संदिग्धों से जुड़े हुए थे तथा विस्फोटक, हथियार और गोला-बारूद की तस्करी के नेटवर्क में सक्रिय रूप से शामिल थे। तलाशी के दौरान बड़ी संख्या में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, हथियार निर्माण उपकरण और औजार, डिजिटल डिवाइस और अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं जब्त की गईं। यह कार्रवाई 26 दिसंबर, 2023 को एनआईए द्वारा दर्ज एक मामले में चल रही जांच के तहत की गई। एनआईए ने इस मामले की जांच इस सूचना के आधार पर शुरू की थी कि मिजोरम स्थित कुछ संस्थाएं अवैध कारोबार में संलिप्त हैं और देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों की तस्करी में शामिल एक गिरोह चला रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थ तस्करों की चार करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को कथित मादक पदार्थ तस्करों की चार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मादक पदार्थों की तस्करी और मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों के खिलाफ एक महत्वपूर्ण अभियान के तहत अनंतनाग में पुलिस ने स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत पांच आवासीय परिसरों और तीन वाहनों को कुर्क किया, जिनकी कुल कीमत 4.3 करोड़ रुपये है। कुर्क किए गए मकानों में हसनपोरा तवेला के निवासी रेयाज अहमद डार का एक मंजिला मकान, बिजबेहरा में मोहम्मद यूसुफ रेशी का दो मंजिला मकान, हसनपोरा तवेला में सुबजार अहमद मीर का एक मंजिला मकान, तुलखान बिजबेहरा के निवासी मोहम्मद शफी डार का दो मंजिला आवासीय मकान और मालपोरा रानीपोरा में आदतन अपराधी अब्दुल हामिद चोपन का आवासीय मकान शामिल है।

एमवीए को हार से चिंतित होने की जरूरत नहीं; जनता 'महायुति' की जीत से उत्साहित नहीं: शरद पवार

कोल्हापुर : राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को कहा कि विपक्ष को अपनी हार से निराश होने की जरूरत नहीं है, बल्कि उसे जनता के पास जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि जनता महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत 'महायुति' की जीत से उत्साहित नजर नहीं आ रही है। पवार ने कहा कि विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा कि सरकार अपने सभी चुनाव पूर्व वादों पर अमल करे, जिनमें 'लाडकी बहिन' योजना के तहत महिलाओं को हर माह वित्तीय सहायता 1,500 रुपये से बढ़ाकर 2,100 रुपये करना शामिल है। राजनीति में दशकों का अनुभव रखने वाले पवार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह सच है कि हम हार गए हैं। हमें इसकी चिंता नहीं करनी चाहिए, बल्कि लोगों के पास जाना चाहिए, क्योंकि चुनाव परिणामों को लेकर लोगों में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। बहुत नाराजगी है।''

वर्ष 2014 से पहले की सरकारों ने कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए पूरे मन से काम नहीं किया: शाह

अहमदाबाद : केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि 2014 से पहले की सरकारें कल्याणकारी राज्य के संवैधानिक उद्देश्य को हासिल करने के लिए पूरे मन से काम नहीं करती थीं लेकिन इस अवधारणा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वास्तविकता में बदला। शाह ने कहा कि मोदी इस मंत्र को समझते हैं कि ''भारत का विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक इसकी 60 करोड़ आबादी गरीब रहेगी'', और उन्होंने पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए काम किया। उन्होंने अहमदाबाद में गुजरात लोक सेवा ट्रस्ट के वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''हालांकि,

सरकार अकेले इतना बड़ा काम नहीं कर सकती। अगर ट्रस्ट, व्यक्ति और सेवा संगठन एक साथ आ जाएं तो हम जल्द ही इस समस्या का समाधान कर लेंगे।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बहुत ही विद्वत्तापूर्ण बहस के बाद संविधान सभा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे थे कि कल्याणकारी राज्य की स्थापना संविधान का मूल उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य के मूल उद्देश्य के तौर पर प्रत्येक व्यक्ति का कल्याण, समान विकास और प्रत्येक परिवार के लिए सम्मानपूर्ण जीवन सुनिश्चित करना तय किया गया था। शाह ने कहा, ''प्रत्येक सरकार (2014 से पहले) ने अपने कार्यकाल में (कल्याणकारी राज्य के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए) जितना संभव था, उतना किया, लेकिन सांख्यिकी के एक छात्र के रूप में मेरा विश्लेषण कहता है कि 2014 से पहले, सभी लोग टुकड़ों में काम करते थे।'' सहकारिता मंत्रालय का भी कार्यभार संभाल रहे शाह ने कहा कि पिछली सरकारें गरीबों के लिए घर बनाने की योजनाएं लाईं और पीने का पानी, गैस सिलेंडर, स्वास्थ्य सुविधाएं और मुफ्त राशन देने की बात की; फिर भी, यह नरेन्द्र मोदी ही थे जिन्होंने कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को वास्तविकता में बदला।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए काम करें: मोदी ने बीएपीएस स्वयंसेवकों से कहा

अहमदाबाद : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीएपीएस के स्वयंसेवकों द्वारा की गई समर्पित सेवा की शनिवार को प्रशंसा की और उनसे 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए काम करने को कहा। मोदी ने अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के कार्यकर्ता सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित किया। मोदी ने कहा, ''हमारी संस्कृति में कहा गया है कि सेवा परम धर्म है। हम केवल इसके बारे में बोलते नहीं हैं, बल्कि इसका पालन भी करते हैं।'' उन्होंने बीएपीएस स्वयंसेवकों से अपनी सेवाओं के माध्यम से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम करने की अपील की।

वाराणसी में कॉलेज में स्थित मस्जिद से संबंधित मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी (उप्र) : वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज में स्थित मस्जिद से जुड़े विवाद मामले में पुलिस ने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और भ्रामक बयानबाजी करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एसीपी (कैंट) विदुष सक्सेना ने बताया कि कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार सिंह से मिली शिकायत के आधार पर दो नामजद और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ शिवपुर थाने में मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया पुलिस ने इस मामले के तहत कार्रवाई करते हुए सामाजिक सौहार्द बिगड़ने और भ्रामक ब्यानबाजी करने के आरोप में लोहता के निवासी मुख्तार अहमद समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले शुक्रवार को कॉलेज परिसर में स्थित मजार को हटाने के लिए करीब 500 छात्रों ने भगवा झंडा लेकर गेट पर जय श्री राम के नारे लगाए थे। प्रदर्शनकारी छात्र कॉलेज के अंदर जाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन इस दौरान गेट पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक दिया था। मजार को लेकर बढ़ते तनाव के बीच पुलिस ने बृहस्पतिवार को कॉलेज परिसर में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी और केवल वैध पहचान पत्र वाले विद्यार्थियों को अंदर जाने की अनुमति दी थी। इससे पूर्व, मंगलवार को मजार के पास नमाज पढ़े जाने के दौरान विद्यार्थियों ने हनुमान चालीसा पढ़ा था। इससे जुड़ी एक घटना में कॉलेज के विद्यार्थियों ने एक विद्यार्थी अदालत का गठन किया और 11 बिंदुओं का एक पत्र उत्तर प्रदेश वक्फ बोर्ड को भेजकर इस मजार की स्थिति और इसके स्वामित्व के संबंध में 15 दिन में जवाब देने के लिए कहा।

न्यूज इन ब्रीफ

हेड की कमजोरी का फायदा उठाने में नाकाम रहे भारतीय गेंदबाज: पुजारा

मुंबई : भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने ट्रेविस हेड को शॉर्ट-पिच गेंदें करने में नाकाम रहने और उन्हें उनके पसंदीदा ऑफ साइड में गेंद करके रन बनाने का मौका देने के लिए भारतीय गेंदबाजों की आलोचना की। बाएं हाथ के बल्लेबाज हेड ने 141 गेंद पर 140 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 157 रन की बढ़त हासिल करने में सफल रहा। भारत ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 128 रन बनाए हैं और वह ऑस्ट्रेलिया से अभी 29 रन पीछे है। पुजारा ने दिन का खेल समाप्त होने के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'हेड की कमजोरी शॉर्ट-पिच गेंदें हैं, जो विपक्षी टीम को अच्छी तरह से पता है। हमने देखा कि उसे केवल दो-तीन शॉर्ट पिच गेंद ही की गई। वे (भारतीय तेज गेंदबाज) इसका बेहतर उपयोग कर सकते थे।' उन्होंने कहा, 'वह ऑफ साइड पर हावी होकर खेलता है और हमें उस पर अंकुश लगाने की जरूरत थी। उसके लिए ऑफ साइड पर छह की बजाय पांच क्षेत्ररक्षक लगाना बेहतर रणनीति होती।'

लियोशा ने अंडर-19 राष्ट्रीय बैडमिंटन में दोहरा खिताब जीता

ठाणे: लियोशा कोरुकोंडा ने शनिवार को यहां योनेक्स-सनराइज थर्ड मिनी (अंडर-11) राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में लड़कियों के एकल और युगल खिताब जीतकर समापन किया। हैदराबाद में सिक्की सुमीत बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग लेने वाली लियोशा ने एकल फाइनल में शानवी निम्मा को 21-16, 17-21, 21-12 से हराया। युगल स्पर्धा में उन्होंने अपनी एकल प्रतिद्वंद्वी निम्मा के साथ मिलकर शुरुआती झटके से उबरते हुए सुमाय्या शरीफ और शंभवी शर्मा की जोड़ी को 15-21, 21-16, 21-9 से हराकर खिताब अपने नाम किया। लड़कों के एकल फाइनल में जेरो जे सिबी ने शिव पंवार को 21-14, 21-10 से हराकर खिताब जीता। लड़कों के युगल में चौथी वरीयता प्राप्त लोकेश गुर्जर और रक्षित सिंह मेहरा चैंपियन बने।

हेड की शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने बनाया दबदबा

एडिलेड: भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एडिलेड में खेला जा रहा दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल की थी। भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में खराब रही और टीम ने 128 रन पर अपने पांच विकेट गंवा दिए। भारतीय टीम अब भी ऑस्ट्रेलिया से 29 रन पीछे है। स्टंप्स के समय ऋषभ पंत 28 रन और नीतीश रेड्डी 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने दो-दो विकेट लिए, जबकि मिचेल स्टार्क को एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद उतरी भारतीय टीम की बल्लेबाजी दूसरी पारी में बेहद खराब रही। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की ओपनिंग जोड़ी विफल रही और टीम को मजबूत शुरुआत नहीं दिला सकी। सबसे पहले राहुल आउट हुए जिन्हें कमिंस ने सात रन के स्कोर पर पवेलियन भेजा। फिर बोलैंड ने यशस्वी (24) और विराट कोहली (11) को आउट कर भारत को दोहरा झटका दिया। शुभमन गिल भी अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और उन्हें 28 रन के स्कोर पर स्टार्क ने बोल्ड किया। कप्तान रोहित शर्मा की खराब फॉर्म दूसरी पारी में भी जारी रही जो कमिंस की गेंद पर छह रन बनाकर पवेलियन लौटे। इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे। ट्रेविस हेड ने 140 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वहीं, भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने चार-चार विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को एक विकेट पर 86 रन से आगे खेलना शुरू किया और 251 रन बनाने में आखिरी के नौ विकेट गंवा दिए। शुरुआती सत्र में टीम ने मैकस्वीनी (39), स्टीव स्मिथ (2) और मार्नस लाबुशेन के रूप में तीन विकेट गंवाए। लाबुशेन ने 64 रन बनाए। मैकस्वीनी और स्मिथ को बुमराह ने आउट किया, जबकि लाबुशेन को नीतीश रेड्डी ने आउट किया।

विश्व शतरंज चैम्पियनशिप: गुकेश और लिरेन की दसवीं बाजी भी ड्रॉ रही, मुकाबला अब भी बराबरी पर

सिंगापुर : भारतीय चैलेंजर डी गुकेश ने एक बार फिर चीन के मौजूदा चैंपियन डिंग लिरेन की चुनौती का डटकर सामना करते हुए शनिवार को यहां विश्व शतरंज चैंपियनशिप की दसवीं बाजी भी ड्रॉ खेलकर मुकाबले को बराबरी पर बनाए रखा। पिछली कुछ बाजियों की तरह इस बाजी में भी किसी तरह का रोमांच देखने को नहीं मिला। यह गुकेश के लिए काले मोहरों से खेलते हुए सबसे आसान ड्रॉ रहा। लिरेन ने कोई जोखिम नहीं लिया और वह ड्रॉ से खुश भी थे। इस बाजी की शुरुआत 'लंदन सिस्टम' से हुई जिसमें खेल सहजता से आगे बढ़ता रहा। दोनों खिलाड़ी 36 चाल के बाद अंक बांटने पर सहमत हो गए। इन दोनों के बीच यह लगातार सातवीं बाजी थी जो ड्रॉ रही। दोनों खिलाड़ी अभी तक कुल आठ बाजी ड्रॉ खेल चुके हैं और उनके सामान पांच-पांच अंक है। जो भी खिलाड़ी पहले 7.5 अंक बनाएगा वह चैंपियनशिप जीतेगा। इस तरह से वे चैंपियन बनने से अब केवल 2.5 अंक पीछे हैं। इस 25 लाख डालर इनामी प्रतियोगिता में अब केवल चार दौर की बाजी खेली जानी बाकी हैं। अगर 14 दौर के बाद भी मुकाबला बराबरी पर रहता है तो विजेता का निर्धारण करने के लिए 'टाइम कंट्रोल' के आधार पर मैच खेला जाएगा। चीन के 32 वर्षीय लिरेन ने शुरुआती मैच जीता था जबकि भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर

गुकेश तीसरे मैच में विजयी रहे थे। लिरेन ने फिर से लंदन सिस्टम में शुरुआत की लेकिन इस बार उन्होंने इसमें थोड़ा बदलाव किया जिससे मोहरों की संरचना बन गई। हो सकता है कि उनकी यह रणनीति किसी और दिन कारगर साबित हो जाती लेकिन गुकेश ने फिर से किसी तरह का जोखिम उठाना उचित नहीं समझा और वह भी आधा अंक हासिल करने के लिए ही खेलते रहे। सबसे कम उम्र के चैलेंजर गुकेश ने अभी तक चीन के ग्रैंडमास्टर की हर चुनौती का डटकर सामना किया है। दसवीं बाजी शुरू होने से पहले लिरेन के पास सफेद मोहरों से खेलने के लिए तीन बाजियां थी लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए। अब बाकी बची चार बाजियों में दोनों खिलाड़ी दो दो बार सफेद मोहरों से खेलेंगे और ऐसे में यह मुकाबला थोड़ा रोमांचक बन गया है। गुकेश ने 11वीं चाल में बाजी को बराबरी पर लाने का मुश्किल फैसला किया। इसके बाद जब लिरेन ने रानी सहित कई मोहरों का आदान-प्रदान किया तो यह स्पष्ट हो गया कि बाजी ड्रॉ की तरफ बढ़ रही है। गुकेश ने बाद में कहा,''काले मोहरों से खेलते हुए अच्छी तरह से ड्रॉ करना बेहतर परिणाम होता है। अब चार रोमांचक बाजियां खेली जानी बाकी हैं। '' उन्होंने कहा,''निश्चित तौर पर यह मुकाबला अब काफी करीबी बन गया है। मुझे चार बाजियों का मुकाबला खेलने का कुछ अनुभव है। मैं सफेद मोहरों से खेलते हुए बमुश्किल ही हारा हं। लेकिन इस तरह की स्थिति में मैं काले मोहरों से अच्छा प्रदर्शन करना चाहूंगा।''

सिराज और हेड के बीच कहासुनी से बनी तनाव की स्थिति

एडिलेड : मोहम्मद सिराज के शनिवार को यहां गुलाबी गेंद के टेस्ट के दूसरे दिन में शतकवीर ट्रेविस हेड को आउट करने के बाद दोनों के बीच हुई बहस पर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने भारतीय तेज गेंदबाज के व्यवहार पर निराशा व्यक्त की और महान सुनील गावस्कर ने इसे पूरी तरह से अनावश्यक बताया। हेड ने 141 गेंदों में 140 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 157 रन की शानदार बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 82वें ओवर में उनके आउट होने के बाद सिराज और हेड में तीखी नोकझोंक हुई। हेड ने 'फॉक्स क्रिकेट' से कहा, 'मैंने कहा 'अच्छी गेंदबाजी की'। लेकिन उसने कुछ और ही सोचा और मुझे बाहर जाने की ओर इशारा किया। पिछली कुछ पारियों में जिस तरह से चीजें हुईं, मैं उससे थोड़ा निराश हूं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन अगर वे इस तरह से प्रतिक्रिया करना चाहते हैं तो यही होगा। और वे खुद को इस तरह से पेश करना चाहते हैं तो ऐसा ही रहे।' यह घटना तब हुई जब सिराज ने हेड का कैच छोड़ दिया था, तब वह 76 रन पर थे और फिर उनकी गेंद पर इस बल्लेबाज ने छक्का भी जड़ा था। हैदराबाद के इस खिलाड़ी ने तुरंत हेड को नीची 'फुल टॉस' गेंद डाली और जोश से जश्न मनाते हुए उन्हें वापस जाने का इशारा किया। ड्रेसिंग रूम में जाने से पहले हेड ने कुछ शब्द बोलकर प्रतिक्रिया व्यक्त की। एडिलेड पर मौजूद रिकॉर्ड 50,000 से अधिक दर्शकों ने सिराज की हूटिंग की। बाद में तेज गेंदबाज को अंपायरों के साथ दर्शकों की प्रतिक्रिया पर चर्चा करते हुए देखा गया।

न्यूज अपडेट

भारत के सामने अंडर-19 एशिया कप फाइनल में बांग्लादेश की मजबूत चुनौती

दुबई : भारत के बल्लेबाजों को रविवार को यहां दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में अंडर-19 एशिया कप फाइनल में बांग्लादेश की मजबूत गेंदबाजी की चुनौती का सामना करना होगा। भारत आठ खिताब के साथ इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम है जबकि गत चैम्पियन बांग्लादेश एक बार फिर से इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में दबदबा कायम करना चाहेगा। बांग्लादेश की टीम ने 2023 में सेमीफाइनल में भारत को हराने के बाद फाइनल में भी जीत दर्ज की थी। भारत की बल्लेबाजी का नेतृत्व सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे और 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने किया है। म्हात्रे ने टूर्नामेंट में 175 जबकि सूर्यवंशी ने 167 रन बनाये हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश ने मोहम्मद अल फहद और मोहम्मद इकबाल हसन इमोन की अगुवाई में शानदार गेंदबाजी की है। इन दोनों ने 10-10 विकेट चटकाये है। भारतीय टीम को टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन उसके बाद से टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। उसने सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 28 ओवर बाकी रहते प्रभावी जीत दर्ज की। बांग्लादेश को भी ग्रुप चरण में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन उसने सेमीफाइनल में पाकिस्तान को आसानी से सात विकेट से शिकस्त देकर लगातार दूसरी बार खिताबी मुकाबले का टिकट पक्का किया। भारतीय टीम को टूर्नामेंट के पिछले सत्र में बांग्लादेश से मिली हार का बदला चुकता करने के साथ खिताब को फिर से जीतने के लिए खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। यह मैच भारतीय समयानुसार सुबह 10:15 बजे शुरू होगा।

ईस्ट बंगाल एफसी ने चेन्नईयिन एफसी को 2-0 से हराया

चेन्नई: ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को यहां इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच में चेन्नईयिन एफसी को 2-0 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। ईस्ट बंगाल के लिए पीवी विष्णु ने 54वें मिनट और जैकसन सिंह ने 84वें मिनट में गोल दागे जिससे टीम इस टूर्नामेंट के अभियान में अपने घरेलू मैदान के बाहर पहली जीत हासिल करने में सफल रही। चेन्नईयिन एफसी पहले हाफ में नियंत्रण के बावजूद गोल नहीं कर सका।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी दो टेस्ट खेलेंगे शमी, मुश्ताक अली अभियान खत्म करके होंगे रवाना

नयी दिल्ली : भारत के सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही श्रृंखला के आखिरी दो टेस्ट में खेलने के लिए तैयार हैं और उनकी 'प्लेइंग किट' पहले ही ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है जबकि एनसीए की मेडिकल टीम से फिटनेस मंजूरी मिलना बस औपचारिकता मात्र है। बंगाल के इस अनुभवी क्रिकेटर के लिए 14 दिसंबर से ब्रिसबेन में शुरू हो रहे टेस्ट में खेलना आसान नहीं हो सकता है। लेकिन यह तय है कि वह 'बॉक्सिंग डे' (26 दिसंबर) को मेलबर्न में चौथे टेस्ट में दिखाई देंगे। इस क्रिकेटर के करीबी एक सूत्र ने बताया कि एनसीए से फिटनेस प्रमाण पत्र बहुत जल्द मिल जाएगा। सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'शमी की भारतीय किट पहले ही ऑस्ट्रेलिया भेज दी गई है। वह मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को पूरा करेंगे और फिर रवाना हो जाएंगे।' शमी (34 साल) भारत के लिए पिछला टूर्नामेंट नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप फाइनल में खेले थे और इसके बाद टखने की सर्जरी के कारण उन्हें लंबे समय तक बाहर रहने पर मजबूर होना पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी वापसी तय लग रही थी लेकिन इससे ठीक पहले शमी के घुटने में सूजन आ गई जिससे उनकी वापसी में देरी हुई। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का नॉकआउट दौर बेंगलुरु में हो रहा है इसलिए उम्मीद है कि एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) की मेडिकल टीम के प्रमुख डॉ. नितिन पटेल और 'स्ट्रेंथ' और अनुकूलन ट्रेनर निशांत बोरदोलोई बंगाल के राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप में टीम का अभियान खत्म होने के बाद उनका आकलन करेंगे। बंगाल के मुख्य कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला अपने मुख्य गेंदबाज पर नजर रखे हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा, 'शमी चंडीगढ़ के खिलाफ हमारे लिए प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेंगे। वह कल तक बेंगलुरु में हमारे साथ जुड़ जाएंगे। हालांकि, मुझे नहीं पता कि अगर हम क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं तो वह उपलब्ध होंगे या नहीं। लगता है कि वह फिट होंगे और ऑस्ट्रेलिया के आखिरी दो टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे।' शुक्ला भी भारत के पूर्व प्रमुख रवि शास्त्री के विचार से सहमत हैं जिन्हें लगता है कि ब्रिस्बेन में शमी की जरूरत है।

डेनमार्क ने एफ-16 लड़ाकू विमानों की दूसरी खेप उपलब्ध कराई : जेलेंस्की

कीव : फ्रांस के नेताओं से मिलने पेरिस पहुंचे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि डेनमार्क ने यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमानों की दूसरी खेप उपलब्ध करा दी है। इस बीच, यूक्रेन की आपातकालीन सेवा ने कहा कि क्रिवीरिह शहर पर शुक्रवार को हुए हमले में तीन अन्य लोग मारे गए। हमलों का जिक्र करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति नहीं चाहते। वर्ष 2019 में विनाशकारी आग के बाद नोट्रेडेम कैथेड्रल के नवीनीकरण का जश्न मनाने के लिए पेरिस में आयोजित एक कार्यक्रम में जेलेंस्की शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित अन्य विश्व नेताओं से मिलने वाले हैं। इस बैठक में अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल हो सकते हैं।

ट्रंप ने कठोर आव्रजन नीतियों के समर्थकों को सीमा शुल्क, सीमा सुरक्षा विभाग का प्रमुख नामित किया

वाशिंगटन : अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा विभाग के प्रमुख के तौर पर रॉडने स्कॉट तथा आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के प्रमुख पद के लिए कैलेब विटेलो को नामित किए जाने की घोषणा की है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार देर रात कहा कि वह 'बॉर्डर पट्रोल' के पूर्व प्रमुख रॉडने स्कॉट को सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा का प्रमुख नामित कर रहे हैं। स्कॉट आव्रजन के कठोर नियमों के मुखर समर्थक हैं। ट्रंप ने कहा कि वह आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के प्रमुख के तौर पर विटेलो को नामित कर रहे है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे भारतीय मूल के अमेरिकी

वाशिंगटन : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में भारतीय मूल के कई अमेरिकी अगले दो दिनों में अमेरिका की राजधानी और शिकागो में शांतिपूर्ण रैलियां आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। यह जानकारी आयोजकों ने दी। 'जेनोसाइड ऑफ हिंदूज इन बांग्लादेश' (बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार) के विरोध में मार्च का आयोजन हिंदू एक्शन द्वारा सोमवार, नौ दिसंबर को व्हाइट हाउस के पास किया जा रहा है, जबकि 'स्टॉप द जेनोसाइड: सेव हिंदू लाइव्स इन बांग्लादेश' (नरसंहार रोकें: बांग्लादेश

में हिंदुओं का जीवन बचाएं) का आयोजन रविवार, आठ दिसंबर को शिकागो में समुदाय के प्रतिष्ठित नेताओं द्वारा किया जा रहा है। पिछले कई महीनों में बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ़ अपराध का दस्तावेजीकरण करने के लिए भारतीय मूल के अमेरिकियों द्वारा गठित 'डब्ल्यूडब्ल्यूडॉटस्टॉपहिंदूजेनोसाइड' ने कहा, 'बांग्लादेश में स्थिति सिर्फ एक क्षेत्रीय संकट नहीं है, यह वैश्विक निहितार्थों के साथ एक मानवीय आपदा है। नरसंहार मानवता के खिलाफ अपराध है। हस्तक्षेप करना, सुरक्षा करना और आगे के अत्याचारों को रोकना अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ज़िम्मेदारी है।' इसने कहा कि हाल के दिनों में हिंदुओं के खिलाफ क्रूरता चौंकाने वाले स्तर तक बढ़ गई है। 'हिंदूफ़ेक्शन' के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने अमेरिका के निवर्तमान बाइडन-हैरिस प्रशासन से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी इस्लामी चरमपंथियों द्वारा हिंसा को और अधिक बढ़ने से रोकने के लिए हर संभव उपाय करने का आह्वान किया।

महाराजा चार्ल्स ने ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के दो सदस्यों को दिए सम्मान 'रद्द' किये

लंदन : ब्रिटेन के 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' के भारतीय मूल के सदस्य रमिंदर सिंह रेंजर को शुक्रवार को 'कमांडर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' (सीबीई) का सम्मान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन पर सम्मान प्रणाली को बदनाम करने का आरोप है। इसके साथ ही हिंदू समुदाय और अंतर-धार्मिक संबंधों में सेवाओं के लिए 'ऑफिसर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' (ओबीई) के रूप में अनिल कुमार भनोट की दी गई नियुक्ति को भी रद्द कर दिया गया है। कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य और ब्रिटेन स्थित एफएमसीजी कंपनी सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक रमिंदर सिंह रेंजर को दिया सम्मान महाराजा चार्ल्स तृतीय द्वारा रद्द और निरस्त कर दिया गया। रमिंदर को लॉर्ड रमी रेंजर के नाम से भी जाना जाता है। उनके प्रवक्ता ने इस फैसले को अन्यायपूर्ण करार दिया और बताया कि रेंजर इसे चुनौती देंगे। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति ने हालांकि ऐसी सिफारिशों के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन यह कदम पिछले साल लॉर्ड्स की जांच के बाद उठाया गया है, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया था कि रेंजर ने धमकाने और उत्पीड़न से संबंधित संसदीय आचार संहिता का उल्लंघन किया था। 'द लंदन गजट' में प्रकाशित आधिकारिक सार्वजनिक सूचना में कहा गया, महाराजा ने निर्देश दिया है कि 31 दिसंबर, 2015 को 'कमांडर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर' के रूप में रमिंदर सिंह की नियुक्ति रद्द कर दी जाएगी और उनका नाम उक्त आदेश के रजिस्टर से मिटा दिया जाएगा। मंत्रिमंडल कार्यालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति किसी फौजदारी अपराध, ऐसे व्यवहार का दोषी पाया जाता है जिसके परिणामस्वरूप नियामक या पेशेवर निकाय द्वारा उसकी निंदा की जाती है, या ऐसा व्यवहार करता है जो सम्मान प्रणाली को बदनाम करने वाला माना जाता है तो उसका सम्मान वापस लिया जा सकता है। लॉर्ड रेंजर के प्रवक्ता ने प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और गोपनीयता के उच्च स्तर पर गंभीर चिंताएं जताईं और कहा कि वह अनुचित निर्णय को चुनौती देने पर विचार कर रहे हैं।

परमाणु हथियार में इस्तेमाल होने योग्य यूरेनियम के भंडार को बढ़ा रहा ईरान : आईएईए प्रमुख

मनामा (बहरीन) : अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि ईरान परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल होने योग्य यूरेनियम के भंडार को तेजी से बढ़ा रहा है और उसने उन्नत सेंट्रीफ्यूज का निर्माण शुरू कर दिया है। ईरान द्वारा अपने अब तक के सबसे ज्यादा वजन के साथ एक सफल अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण की घोषणा किये जाने के कुछ घंटों बाद ही राफेल मारियानो ग्रॉसी ने यह टिप्पणी की। ईरान के सफल अंतरिक्ष प्रक्षेपण को लेकर पश्चिमी देशों का आरोप है कि इससे तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में सुधार हुआ है। सिमोर्ग रॉकेट का प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया जब ईरान ने परमाणु कार्यक्रम में यूरेनियम के 60 फीसदी मौजूदगी का दावा किया। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है जबकि इस्लामिक गणराज्य के अधिकारी संभावित रूप से बम और एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल की मांग कर रहे हैं ताकि तेहरान अमेरिका जैसे दूर के दुश्मनों के खिलाफ हथियार का इस्तेमाल करने में सक्षम हो सके। ईरान के इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका है, जहां गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल का युद्ध जारी है तो वहीं लेबनान में युद्ध विराम के बाद भी हमले हो रहे हैं। ईरान हालांकि अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आने वाली सरकार के साथ संभावित वार्ता के लिए जमीन तैयार करने में जुटा है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था।

सीरिया के विद्रोही दमिश्क के उपनगरों तक पहुंच गए हैं: विद्रोही कमांडर

बेरूत : सीरिया के विपक्षी कार्यकर्ताओं और एक विद्रोही कमांडर ने शनिवार को दावा किया कि विद्रोही तेजी से आगे बढ़ रहे एक आक्रामक अभियान के तहत दमिश्क के उपनगरों तक पहुंच गए हैं। उन्होंने दावा किया कि विद्रोहियों ने सीरिया के कुछ बड़े शहरों पर कब्जा कर लिया है। ब्रिटेन के 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' के प्रमुख रामी अब्दुर्रहमान ने कहा कि विद्रोही अब दमिश्क के उपनगरों मादामिया, जरामाना और दरया में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि शनिवार को विपक्षी लड़ाके भी पूर्वी सीरिया से दमिश्क के उपनगर हरास्ता की ओर बढ़ रहे थे।

विद्रोहियों के एक कमांडर हसन अब्दुल-गनी ने 'टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप' पर पोस्ट किया कि विपक्षी बलों ने दमिश्क को घेरकर अपने अभियान के 'अंतिम चरण' को अंजाम देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि विद्रोही दक्षिणी सीरिया से दमिश्क की ओर बढ़ रहे हैं। इस बीच सीरियाई सेना शनिवार को दक्षिणी सीरिया के ज्यादातर भाग से हट गई, जिससे दो प्रांतीय राजधानियों समेत देश के अधिक क्षेत्र विपक्षी लड़ाकों के नियंत्रण में आ गए।

नेपाल के चीन के साथ बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर से भारत को लाभ हो सकता है : नेपाली नेता

काठमांडू : नेपाल में सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के नेता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री रघुबीर महासेठ ने शुक्रवार को कहा कि भारत को नेपाल और चीन द्वारा हस्ताक्षरित 'बेल्ट एंड रोड' समझौते पर आपत्ति नहीं जतानी चाहिए क्योंकि इस संपर्क परियोजना से नयी दिल्ली को भी लाभ हो सकता है। नेपाल और चीन के बीच कई अरब डॉलर के 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) समझौते पर बुधवार को हस्ताक्षर किए गए, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त हो गया। इस समझौते पर नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किये गए। बीआरआई एक बड़ी संपर्क परियोजना है, जो चीन को दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य एशिया, रूस और यूरोप से जोड़ती है। महासेठ ने यहां 'प्रधानमंत्री ओली की चीन यात्रा के बाद बीआरआई का कार्यान्वयन' शीर्षक वाले संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, भारत को नेपाल द्वारा चीन के साथ बीआरआई सहयोग रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर करने पर आपत्ति नहीं जतानी चाहिए क्योंकि इससे भारत को भी लाभ होगा। पूर्व उपप्रधानमंत्री ने कहा, अगर नेपाल और चीन को जोड़ने के लिए रेलवे व सड़क जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाता है तो इसका उपयोग भारत द्वारा भी किया जा सकता है।

वर्ष 9, पूर्णांक 4082 अंक 232, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in